RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 149 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 16 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

केंद्र सरकार को राहत: तीन महीने में बकाया भुगतान करने का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने 'वन रैंक वन पेंशन' की नीति को सही ठहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए लागू वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) की नीति को सही ठहराया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें कोई संवैधानिक कमी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि नीति में 5 साल में पेंशन की समीक्षा का प्रावधान है जो कि बिल्कुल सही है। इसी प्रावधान के तहत सरकार 1 जुलाई 2019 की तारीख से पेंशन की समीक्षा करे। अदालत ने सरकार से सेवानिवृत्त सैनिकों को तीन महीने में बकाया का भुगतान करने के लिए कहा। बता दें कि याचिकाकर्ता भारतीय भूतपूर्व सैनिक आंदोलन (आईईएसएम) ने सरकार के साल 2015 के वन रैंक वन पेंशन नीति के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें उन्होंने दलील दी थी कि यह फैसला मनमाना और दुर्भावनापूर्ण है क्योंकि यह वर्ग के भीतर वर्ग बनाता है और प्रभावी रूप से एक रैंक को अलग-अलग पेंशन देता है।

जानें सरकार के किस फैसले का हो रहा था विरोध

दरअसल, केंद्र सरकार ने 7 नवंबर 2015 को वन रैंक वन पेंशन योजना की अधिसूचना जारी की थी जिसमें कहा गया था कि इस योजना की समीक्षा पांच वर्षों में की जाएगी लेकिन भूतपूर्व सैनिक संघ की मांग थी कि इसकी समीक्षा एक साल के बाद हो। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद चल रहा था।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने की सुनवाई

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा कि वन रैंक वन पेंशन पर केंद्र के फैसले में कोई दोष नहीं है और सरकार के नीतिगत मामलों में हम दखल नहीं देना चाहते हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि सरकार 1 जुलाई 2019 की तारीख से पेंशन की समीक्षा करे। 3 महीने में बकाया का भुगतान करे।

जानें क्या मांग थी याचिका में

भूतपूर्व सैनिक संघ द्वारा दायर इस याचिका में भगत सिंह कोश्यारी समिति द्वारा पांच साल में एक बार आवधिक समीक्षा की वर्तमान नीति के बजाय एक स्वचालित वार्षिक संशोधन के साथ एक रैंक-एक पेंशन को लागू करने की मांग की गई थी।

केंद्र सरकार ने 7 नवंबर 2015 को ओरोप की अधिसूचना जारी की थी

केंद्र सरकार ने 7 नवंबर 2015 को वन रैंक वन पेंशन योजना(ओरोप) की अधिसूचना जारी की थी। इसमें बताया गया था कि योजना एक जुलाई 2014 से प्रभावी मानी जाएगी।

इससे पहले 16 फरवरी को हुई थी सुनवाई

इससे पहले 16 फरवरी की सुनवाई में अदालत ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केंद्र की अतिश्योक्ति ओरोप नीति पर आकर्षक तस्वीर प्रस्तुत करती है जबकि इतना कुछ सशस्त्र बलों के पेंशनरों को मिला नहीं है। इस पर केंद्र ने अपना बचाव करते हुए कहा था कि यह मंत्रिमंडल का लिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा था कि ओरोप की अभी तक कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है।

कांग्रेस तो घर की ही कांग्रेस है, सीएम बघेल का सिब्बल पर निशाना

मिट गए वो सब जो कांग्रेस के मिटने की बात करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस पार्टी में गांधी परिवार को लेकर की गईं टिप्पणी को लेकर कपिल सिब्बल पर निशाना साधते हुए बघेल ने कहा कि 'जो लड़े नहीं, वे लड़ाई के नियम बता रहे हैं।' दरअसल पार्टी के वरिष्ठ नेता सिब्बल ने 'इंडियन एक्सप्रेस' को दिए साक्षात्कार में कहा था कि गांधी परिवार को कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व से अलग होना चाहिए और किसी अन्य को मौका देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह 'घर की कांग्रेस' नहीं, बल्कि 'सबकी कांग्रेस' चाहते हैं।

सिब्बल की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए भूपेश बघेल ने ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, जो लड़े नहीं, वे लड़ाई के नियम बता रहे हैं। युद्ध के बीच जो दुबके हुए हैं घरों में, वे शहादत की महत्ता बता रहे हैं। जो कटे रहे जड़ों? से, वे वटवृक्षों को उगना सिखा रहे हैं। कांग्रेस का सच्चा सिपाही वही है जो इस वक्त विलाप करने की बजाय युद्धरत है। हम लड़ते रहेंगे।

एक अन्य ट्वीट में बघेल ने लिखा, कांग्रेस तो घर-घर की ही कांग्रेस है, हर घर की कांग्रेस है. लेकिन कुछ लोग उसे 'डिनर' और 'बंगलों' की कांग्रेस बना देना चाहते हैं। एक बार उम्र आकर देख लेते कि अगुवाई और लड़ाई कैसी होती है। मिट गए वो सब जो कांग्रेस के मिटने की बात करते रहे।

बता दें रि कांग्रेस के 'जी 23' ग्रुप के सदस्य सिब्बल ने यह टिप्पणी कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दो दिनों बाद की। सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में विश्वास जताते हुए कहा था कि वह संगठनात्मक चुनाव पूरा होने तक पद पर बने रहें और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाएं।

इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल पर पार्टी नेतृत्व की आलोचना करने को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि 'पार्टी जब चुनाव हार रही है तो ऐसे समय में नेताओं को एकजुट होना चाहिए।' गहलोत ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। सिब्बल ने कहा कि गांधी परिवार को पार्टी से अलग हटकर किसी अन्य नेता को पार्टी का नेतृत्व करने का मौका देना चाहिए।

खास-खबर

पंजाब के नए 'सरदार' बने भगवंत मान, खटकड़कलां में ली पद और गोपनीयता की शपथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अपनी कॉमेडी से लोगों के दिलों पर राज करने वाले भगवंत मान ने बुधवार को पंजाब के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। क्रम के हिसाब से मान 25वें और नेता के तौर पर 17वें मुख्यमंत्री हैं। शपथ लेने के बाद मान ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों से अपील की कि अहंकार न करें। हमें उन लोगों का भी सम्मान करना होगा जिन्होंने हमें वोट नहीं दिया। मैं आप सभी को और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद देता हूं। भगवंत मान ने पंजाब के नए सीएम के तौर पर शपथ ले ली है। उन्हें राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने शपथ दिलाई।

द कश्मीर फाइल्स देखने के लिए सीएम बघेल ने विधानसभा सदस्यों सहित नागरिकों को भेजा निमंत्रण, पीवीआर में हॉल बुक

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज विधानसभा में सभी सदस्यों को आमंत्रित करते हुए कहा-चलो एक साथ जाकर फिल्म देखते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा सभी विधायकगणों और गणमान्य नागरिकों को फिल्म देखने का भेजा गया है निमंत्रण। राजधानी के मैग्नेटो माल के पीवीआर में आज रात 8 बजे के शो में फिल्म कश्मीर फाइल्स के लिए एक पूरा हाल बुक किया गया है।

कोरबा से धर्मजयगढ़ तक बनेगी नई रेलवे लाइन, SECR व CERL के बीच हुआ कन्शेसन एग्रीमेन्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कोरबा से धर्मजय गढ़ के बीच नई रेल लाइन का रास्ता साफहो गया है। 62.5 किमी लंबी इस नई रेल लाइन के निर्माण से भविष्य में दोनों शहरों की दूरी काफी कम हो जाएगी। वहीं रेलवे को गूड्स ट्रेनों के संचालन से लाभ भी हो। मंगलवार को नई रेलवे लाइन के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) एवं छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (CERL) के बीच कन्शेसन एग्रीमेन्ट पर हस्ताक्षर हुए।

रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा (उरगा) से धर्मजयगढ़ तक रेलवे लाईन बिछाए जाने बिलासपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) के मध्य कन्शेसन एग्रीमेन्ट पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर रेलवे जीएम आलोक कुमार व सीईआरएल के चेयरमैन व सह निदेशक मनोज कुमार प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस एग्रीमेन्ट के बाद कोरबा (उरगा) से धर्मजयगढ़ तक लगभग 62.5 किलोमीटर की नयी रेलवे लाईन का रास्ता साफ हो गया है। एग्रीमेन्ट के जरिए छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड लगभग 30 वर्षों तक ढुलाई राजस्व भारतीय रेल के साथ शेयर करेगी जिसके एवज में रेल व्यवस्था का संचालन, रख-रखाव तथा निर्माण उपलब्ध कराया जाएगा।

मार्च 2025 तक पूरा हो जाने की उम्मीद

छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड कम्पनी को स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) माडल पर विकसित किया गया है तथा इसमें एसईसीएल के साथ-साथ ईरकॉन इन्टरनेशनल लिमिटेड व छत्तीसगढ़ शासन के छत्तीसगढ़ स्टेट इन्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड की सहभागिता है। लगभग 1700 करोड़ रुपए की संभावित लागत से विकसित की जा रही ईस्ट रेल कॉरीडोर परियोजना मार्च 2025 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है।

यातायात व माल ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण परियोजना

छत्तीसगढ़ के सूदूर अंचलों में यातायात व माल ढुलाई के लिहाज से यह परियोजना बेहद महत्वपूर्ण है। इस परियोजना से जुड़े भूमि अधिग्रहण का अधिकतम कार्य पूरा कर लिया गया है वहीं वन स्वीकृति भी अग्रिम चरण में है। ईस्ट रेल कॉरीडोर के संचालित होने से एसईसीएल के माण्ड-रायगढ़ कोलफील्ड केप्टिव ब्लॉक तथा कमर्शियल माईनिंग की परियोजनाओं से कोयले के ढुलाई में भी तेजी व सहूलियत आने की आशा है। इसके पूरा होने के बाद प्रोजेक्ट माण्ड-रायगढ़ कोलफील्ड्स एवं वसुन्धरा कोलफील्ड्स में कोयले के डिस्पैच के लिए एक्सट्रा रूट मिलेगा।

पंजाब विधानसभा चुनाव में हार

नवजोत सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस के प्रधान पद से दिया इस्तीफा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव में पार्टी की शर्मनाक हार के बाद पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने एक लाइन का इस्तीफा पार्टी प्रधान सोनिया गांधी को भेजा है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर के पीसीसी अध्यक्षों से कहा था कि वे पीसीसी के पुनर्गठन की सुविधा के लिए अपना इस्तीफा दें।

इससे पहले मंगलवार को विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के कारण तलाशते हुए कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्लूयूसी) की बैठक में सभी पक्षों को सुना गया था। पंजाब के मामले में ज्यादातर नेताओं ने पार्टी की अंदरूनी कलह के अलावा नवजोत सिद्धू, चरणजीत चन्नी और पूर्व प्रधान सुनील जाखड़ के बीच सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी को जिम्मेदार ठहराया था।

कई मंत्रियों ने सिद्धू पर फोड़ा था ठीकरा

पूर्व मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, बलबीर सिंह सिद्धू, सांसद रवनीत बिट्टू और गुरजीत औजला ने तो हार के लिए सीधे तौर पर सिद्धू को जिम्मेदार ठहराया था। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा सिद्धू समेत पांच प्रदेश प्रधानों के इस्तीफा मांग लिए जाने के बाद माना जा रहा है कि हार के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने का सिलसिला थमेगा और पार्टी में नए प्रधान के चयन संबंधी गतिविधियां तेज हो जाएंगी।

गरीबों को लोकसभा चुनाव 2024 तक मुफ्त राशन देने की तैयारी होली के बाद बंद नहीं होगा वितरण

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में प्रदेश के 15 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन का वितरण लोकसभा चुनाव 2024 तक करने की तैयारी है। यह योजना होली के बाद बंद होने वाली थी पर इसे विस्तार देने की तैयारी राज्य सरकार कर रही है। इस संबंध में जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जनता को होली व दिवाली पर महंगाई से राहत देने के लिए एक-एक गैस सिलेंडर भी देने की तैयारी है। इसका प्रस्ताव खाद्य व रसद विभाग ने शासन को भेज दिया है।

प्रदेश में कोरोना काल के दौरान गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की गई थी जिसे नवंबर 2021 तक जारी रखना था पर चुनाव और कोरोना के कारण लोगों की आमदनी पर पड़े प्रभाव को देखते हुए योगी सरकार ने मार्च के अंत तक इस योजना के जारी रखने का एलान किया था। अब सरकार इस योजना को लोकसभा चुनाव 2024 तक विस्तार देने की तैयारी में है। योजना के तहत अंत्योदय कार्ड धारकों को 35 किलो अनाज और पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट पांच किलो अनाज (तीन किलो गेहूं व दो किलो चावल) दिया जाता है।

विधानसभा चुनाव में योगी सरकार के सुशासन यानी बेहतर कानून-व्यवस्था तथा डिलीवरी सिस्टम यानी लाभार्थियों तक कारगर तरीके से लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मिली सफलता का असर साफनजर आया। माना जा रहा है कि लाभार्थी वर्ग की वोटिंग ने जाति और धर्म के आधार पर वोटिंग पैटर्न को बदलने की शुरुआत कर दी है। सरकार अब डिलीवरी सिस्टम को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

लोकसभा में बोली सोनिया गांधी: नफरत फैलाकर फेसबुक और ट्विटर दे रहे चुनाव में दखल, रोक लगाए सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आज लोकसभा में केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि फेसबुक और ट्विटर जैसी वैश्विक कंपनियों का उपयोग नेताओं, राजनीतिक दलों द्वारा पॉलिटिकल नरेटिव को आकार देने के लिए किया जा रहा है। यह बार-बार नोटिस में आया है कि वैश्विक सोशल मीडिया कंपनियां सभी पार्टियों को समान अवसर प्रदान नहीं कर रही हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि फेसबुक द्वारा सत्ता की मिलीभगत से जिस तरह सामाजिक सौहार्द भंग किया जा रहा है, वह हमारे लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। सोनिया ने कहा कि भावनात्मक सूचना के माध्यम से युवा और बूढ़े लोगों के दिमाग में नफरत भरे जा रहे हैं। फेसबुक और ट्विटर जैसी प्रॉक्सी विज्ञापन कंपनियां इससे अवगत हैं और इससे मुनाफा कमा रही हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि फेसबुक ने सत्तारूढ़ दलों से मिलकर अन्य पार्टियों के खिलाफ प्रोपेगेंडा चला रही है।

मैं सोशल मीडिया के हस्तक्षेप को समाप्त करने का आग्रह करती हूं

सोनिया गांधी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी राजनीति में फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया दिग्गजों के व्यवस्थित प्रभाव और हस्तक्षेप को समाप्त करने का आग्रह करती हूं। उन्होंने कहा कि यह पार्टियों और राजनीति से परे हैं। सत्ता में कोई भी क्यों न हो, हमें अपने लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव की रक्षा करने की जरूरत है।

हिजाब विवाद: होली की छुट्टियों के बाद सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई, कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को दी गई है चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हिजाब मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील की जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं है और स्कूल व कॉलेज में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध के राज्य सरकार के निर्णय को बरकरार रखा था।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील संजय हेगडे ने चीफ जस्टिस एनवी रमण की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष इस याचिका का उल्लेख करते हुए जल्द सुनवाई की गुहार लगाई। हेगड़े ने कहा, 'अत्यावश्यकता यह है कि कई लड़कियां हैं जिन्हें कॉलेजों में जाना है।'

छुट्टियों के बाद सूचीबद्ध होगा मामला

हालांकि, चीफ जस्टिस रमण ने सोमवार को मामले को सूचीबद्ध करने से इनकार करते हुए कहा, 'दूसरों ने भी इस मामले का उल्लेख किया है। हम होली की छुट्टियों के बाद मामले को सूचीबद्ध करने पर विचार करेंगे।' चीफजस्टिस ने सुनवाई के लिए कोई तारीख निर्धारित नहीं की है।

यूनिफार्म के संबंध में याचिका में कहा गया है कि कर्नाटक शिक्षा अधिनियम, 1983 और उसके तहत बनाए गए नियम छात्रों के लिए किसी भी अनिवार्य यूनिफार्म का प्रावधान नहीं करते हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि अधिनियम या नियमों में 'कॉलेज विकास समिति' के गठन की अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है। इस तरह की समिति को किसी शैक्षणिक संस्थान में यूनिफॉर्म या किसी अन्य मामले को विनियमित करने की कोई शक्ति नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर

वहीं हिन्दू सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने वकील वरुण कुमार सिन्हा ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर की है। यानी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को अपना निर्णय देने से पहले हिन्दू सेना के उपाध्यक्ष का पक्ष सुनना होगा।

याचिकाकर्ता का तर्क- यह निजता का मामला

दरअसल, मुस्लिम छात्रा निबा नाज़ ने एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड(एओआर) अनस तनवीर के माध्यम से यह एसएलपी दायर की है। याचिका में कहा गया है कि हाईकोर्ट यह गौर करने में विफल रहा कि हिजाब पहनने का अधिकार 'अभिव्यक्ति' के दायरे में आता है और इस प्रकार यह संविधान के अनुच्छेद-19 (1) (ए) के तहत संरक्षित है। याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि हाईकोर्ट इस तथ्य पर ध्यान देने में विफल रहा कि हिजाब पहनने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत निजता के अधिकार के दायरे में आता है।

संपादकीय

अदालत ने दिखाई राह

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक अहम फैसले में राज्य के प्री यूनिवर्सिटी कॉलेजों में राज्य सरकार के यूनिफॉर्म को अनिवार्य करने संबंधी नए नियमों को सही ठहराने के साथ ही हिजाब को इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा बताने वाली छात्राओं क की याचिकाओं को खारिज कर दिया है, जिसे समग्रता में देखने की जरूरत है। इस फैसले का सबसे अहम हिस्सा यही है कि कोर्ट ने हिजाब पहनने को धार्मिक प्रथाओं का आवश्यक हिस्सा नहीं माना है। इस विवाद के केंद्र में यह प्रश्न था कि क्या राज्य सरकार के यूनिफॉर्म संबंधी नए नियम से किसी के सांविधानिक अधिकार बाधित होते हैं? उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में इसका समाधान किया है। फैसले के कुछ अहम पहलुओं पर गौर किया जा सकता है, जिसमें कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार के हिजाब पर प्रतिबंध लगाने के आदेश से संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मिली धार्मिक स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19.1 के तहत मिली अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 21 के तहत मिली निजता, अनुच्छेद 14 के तहत मिले समता के अधिकार तथा अनुच्छेद 15 के तहत मिले लैंगिक, जातिगत और धार्मिक समानता के अधिकार का हनन नहीं होता। दरअसल यह विवाद कर्नाटक के उडुपी में प्री यूनिवर्सिटी कॉलेज में हिजाब पहनी कुछ छात्राओं को प्रवेश नहीं देने से उठा था। राज्य सरकार ने पांच फरवरी को यूनिफॉर्म के संबंध में नए नियम जारी किए थे और उसमें किसी भी तरह के धार्मिक प्रतीकों के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई थी। इसके बावजूद जब कुछ छात्राएं हिजाब पहनकर कॉलेज आई, तो हिंदुत्व संगठनों से जुड़े युवाओं ने उनका विरोध किया। दोनों पक्षों में हिंसक टकराव होने और तनाव बढ़ने के कारण कर्नाटक के शिवमोगा सहित कुछ अन्य जगहों पर कर्फ्यू तक लगाना पड़ा था। यह वाकई दुखद है कि अपने निहित स्वार्थों के लिए शैक्षणिक संस्थाओं को धार्मिक टकराव का केंद्र बना दिया जाता है, जिसका खामियाजा अंततः छात्र-छात्राओं को ही भुगतना पड़ता है। इस फैसले के बाद अनेक विद्यार्थियों ने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं ने संकेत दिए हैं कि वे फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। यह मसला बेहद नाजुक है, लिहाजा फैसले को किसी एक पक्ष की जीत और दूसरे पक्ष की हार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। कर्नाटक हाई कोर्ट ने अपने अहम फैसले में प्री यूनिवर्सिटी कॉलेज में यूनिफॉर्म की अनिवार्यता को सही ठहराते हुए हिजाब को धार्मिक प्रथाओं का आवश्यक हिस्सा नहीं माना है। यह मसला बेहद नाजुक है, लिहाजा इसे किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

> “ इस फैसले के बाद अनेक विद्यार्थियों ने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं ने संकेत दिए हैं कि वे फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। यह मसला बेहद नाजुक है, लिहाजा फैसले को किसी एक पक्ष की जीत और दूसरे पक्ष की हार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। कर्नाटक हाई कोर्ट ने अपने अहम फैसले में प्री यूनिवर्सिटी कॉलेज में यूनिफॉर्म की अनिवार्यता को सही ठहराते हुए हिजाब को धार्मिक प्रथाओं का आवश्यक हिस्सा नहीं माना है। यह मसला बेहद नाजुक है, लिहाजा इसे किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

> “ महामारी ने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर लिया है, तब हमें देखना चाहिए कि क्या ऐसे विकल्प मौजूद थे, जिनसे लाखों लोगों को संक्रमण से बचाया जा सकता था। वुहान में कोरोना का पहला मामला सामने आने पर क्या हुआ, इसके बारे में जानकारी सीमित है। अब हम देख सकते हैं कि चूक कहां हुई।

क्या जिंदगियां बचाई जा सकती थीं

जेतेप टुफेकसी द न्यूयॉर्क टाइम्स
अखवार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट

जैसा कि यूनानी दार्शनिक हेराक्लिटस ने कहा है, हम एक ही नदी में दोबारा प्रवेश नहीं कर सकते। हम बदल चुके होते हैं और नदी भी यह बिल्कुल सही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम, नदी किसी और दिशा में बह सकती थी, यह देखकर नहीं सीख सकते। जैसे ही महामारी ने तीसरे वर्ष में प्रवेश किया है, हमें उन क्षणों पर विचार करना चाहिए, जब नदी शाखाओं में बंटो और राष्ट्रों ने ऐसे विकल्प चुने, जिनसे हजारों, लाखों लोगों के जीवन प्रभावित हुए। क्या होता, अगर चीन दिसंबर, 2019 में खुलकर ईमानदारी से महामारी के बारे में बताता। यदि महत्वपूर्ण मोड़ पर विभिन्न प्रशंसनीय विकल्प उपलब्ध होते, तो बहुत सारे नुकसान से बचा जा सकता था। उन्हें देखकर और गलतियों को समझकर हम भविष्य में ऐसी ही गलतियों से बचने की उम्मीद कर सकते हैं।

पहली बार चीन के क्या हुआ, इसके बारे में हमारी जानकारी सीमित है। चीन ने प्रकोप कि दुनिया को सच बताने से बहुत प्रमुख 17 नवंबर, 2019 तक कुछ मामले मिले। कई पश्चिमी वैज्ञानिकों ने कहा कि चीन में उनके सहयोगियों ने उन्हें दिसंबर के मध्य तक प्रकोप के बारे में बताया था। दिसंबर के अंत में वुहान के अस्पतालों में बीमार मरोजों को क्वारंटीन किया जाने लगा और चिकित्सा कर्मी बीमार पड़ने लगे मानव से मानव संक्रमण का यह स्पष्ट संकेत था, यानी महामारी की तरफ पहला कदम।

20 जनवरी, 2020 तक चीनी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार नहीं किया कि वायरस स्पष्ट रूप से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संक्रमित हो रहा था। तीन दिन बाद चीन ने बुहान शहर को बंद कर ने दिया तब तक एक हफ्ते हो गए थे और वायरस को चीन की सीमा से बाहर फैलने का मौका मिल गया। विश्व स्तर पर इसका प्रकोप दिखना शुरू हो गया था। महामारी फैलने लगी थी।

चीन दिसंबर के शुरू अथवा मध्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित कर सकता था कि उसके यहां खतरनाक सार्स वायरस के जैसा अज्ञात कोरोना वायरस का प्रकोप था और तुरंत वायरस सिक्वेंसिंग करके जीनोम साझा कर सकता था, ताकि परीक्षणों को विकसित किया जा सके। फिर बाकी दुनिया को भी कार्रवाई करनी होती। यह सुझाव एक फैंटेसी की तरह लग सकता है। कि प्रकोप को महामारी बनने से पहले खत्म किया जा सकता था, हालांकि बाद में इस वायरस के प्रकोप को नियंत्रित कर लिया गया। यह पहली लहर में भी हो सकता था कि महामारी से पूरी तरह बचा जा सकता और लाखों जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। चीन द्वारा प्रकोप को छिपाने का नतीजा यह हुआ कि दुनिया चेतावनियों पर ध्यान देने और उचित कार्रवाई करने में विफल रही।

31 दिसंबर, 2019 को, ताइवान के अधिकारियों ने वुहान से सीधे उड़ान भरने वाले हर विमान के यात्रियों की बुखार जैसे लक्षणों की जांच शुरू कर दी। पूरी आबादी को पर्याप्त मास्क सुनिश्चित करने के लिए उसकी उभरने की संभावना को सीमित करने में मदद कर सकता था। राशनिंग की गई और उन्हें स्कूलों में बांटा गया आपूर्ति बढ़ाने के लिए सैनिकों को मास्क कारखानों में उत्पादन पर लगाया गया था। देश ने ग्राहक और राजस्व खोने वाले व्यवसायों को जल्दी से धन आवंटित किया। वर्ष 2020 में अधिकांश समय ताइवान में कोविड का मामला बहुत कम रहा। व्यापक परीक्षण और पता लगाकर उन्होंने दो प्रमुख प्रकोपों को कुचल दिया और स्थानीय मामलों को शून्य पर ला दिया। इससे पता चलता है कि शुरुआती और मजबूत प्रतिक्रिया से क्या संभव हो सकता था। ताइवान में 853 मौतें हुई हैं। यदि अमेरिका में भी यही मृत्यु दर रहती, तो वहां करीब दस लाख लोगों के बजाय लगभग 12,000 लोगों की ही मृत्यु होती। इस प्रकोप के वैश्विक होने के बाद भी संक्रमण के वास्तविक खतरे को नजरंदाज किया गया। महामारी की शुरुआत में कई अधिकारी यह समझने में विफल रहे कि वायरस कैसे फैल रहा है, जिसने उन्हें उभरते सबूतों के बावजूद प्रसार को सीमित रखने और हजारों जिंदगियां बचाने से रोक दिया। उस समय डब्ल्यूएचओ और सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के दिशा-निर्देश इस धारणा पर आधारित थे कि यह वायरस नाक और मुंह से बड़ी बूंदों से फैलता है, जो अपने आकार के कारण जल्दी से जमीन या सतहों पर गिर जाते हैं। लोगों को सलाह दी गई थी कि वे इन बूंदों की सीमा से बाहर रहने के लिए दूसरों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें, और अगर वे उन्हें सतह पर छूते हैं, तो अपने हाथ धो लें।

अमेरिका में अधिकारियों को यह मानने में मार्च तक का समय लगा कि बिना लक्षणों वाले लोग संक्रामक हो सकते हैं। इस प्रकार के संचरण को स्वीकार करने में विफलता का मतलब था कि बड़े पैमाने पर परीक्षण की तात्कालिकता का एहसास नहीं हुआ और वायरस बिना महत्वपूर्ण सावधानी बरते चुपचाप फैल गया एक और महत्वपूर्ण गलतफहमी वायरस के प्रसार के प्रमुख पैटर्न को पहचानने में विफलता थी।

बड़े पैमाने पर परीक्षण से उन लोगों का पता लगाया जा सकता था, जो संक्रामक थे, भले ही उनमें लक्षण नहीं थे। वेंटिलेशन और एअर फिल्ट्रेशन से इनडोर स्पेस को सुरक्षित रखा जा सकता था। पार्कों को बंद करने बजाय, लोगों को मौसम के अनुसार बाहर जाने की अनुमति दी जा सकती थी, क्योंकि प्राकृतिक वेंटिलेशन अधिक प्रभावी ढंग से वायरस को नष्ट कर देता है। उच्च गुणवत्ता वाले मास्क के लाभों के साथ-साथ मास्क की मुख्य भूमिका को पहले ही समझा जा सकता था। महामारी को सबसे बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि यह रही कि कि सुरक्षित प्रभावी टीकों का त्वरित विकास हो सकता है। लेकिन जब टीके विकसित किए गए, तो समृद्ध देश उसको जमाखोरी करने लगे। व्यापक टीकाकरण वायरस के खतरनाक वैरिएंट के उभरने की संभावना को सीमित करने में मदद कर सकता था।

हमें इस बात को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है कि वैज्ञानिक नीति में सबूतों को तेजी से कैसे शामिल किया जाए और ऐसी बड़ी, जटिल घटनाओं के प्रति मानवीय प्रतिक्रिया को बेहतर ढंग से समझा जाए। यदि जीवन बचाने और भविष्य में दुखों को कम करने के लिए हम ऐसा कर सकते हैं, तो वेशक यह पिछले दो वर्षों में हमारे द्वारा सहे गए सभी नुकसान और कठिनाई की भरपाई नहीं करेगा। लेकिन हम कम से कम यह कह सकते हैं कि हमने इससे सीखने की पूरी कोशिश की।

अहिंसा को आंदोलन बनाने वाले टाना भगत

टाना भगत का आंदोलन बिरसा मुंडा के उलगुलान से प्रेरित था और बहुत से विचारकों का मानना है कि महात्मा गांधी ने अहिंसक सत्याग्रह की व्यावहारिक समझ टाना भगत के आंदोलन से प्राप्त की थी।

झारखंड में मौजूदा गुमला जिले के विशुनपुर थाना स्थित चिंगरी नवाटोली झा गांव में वर्ष 1888 में जतरा उरांव का जन्म हुआ था, जो बाद में जतरा भगत या टाना भगत के नाम से चर्चित हुए। उनके पिता का नाम कोदल उरांव और मां का नाम लिवरी था। शुरुआत में जतरा उरांव ने आदिवासी समाज में पशु बलि मांसाहार, जीव हत्या, शराब पीने जैसी बुरी आदतों और अंधविश्वासों के खिलाफ अभियान चलाया। लेकिन धीरे-धीरे उनका वह आंदोलन जमींदारों और ब्रिटिशों की शोषक नीतियों के खिलाफ मुखर होने लगा। कहा जाता है कि उनकी नैतिक शिक्षाओं से चिढ़कर स्थानीय जमींदार और अंग्रेज उन्हें ताना देने लगे थे, जिससे उनका नाम ही टाना भगत पड़ गया।

वर्ष 1912-14 में उन्होंने ब्रिटिश राज और जमींदारों के खिलाफ अहिंसक असहयोग आंदोलन छेड़ा और लगान, सरकारी टैक्स आदि भरने तथा कुली के रूप में मजदूरी करने से मना कर दिया। वह आंदोलन दरअसल वर्ष 1900 में बिरसा मुंडा के नेतृत्व में हुए उलगुलान से प्रेरित था तथा औपनिवेशिकता और सामंतवाद-विरोधी धार्मिक सुधारवादी आंदोलन था वर्ष 1916 में अंग्रेज शासन ने अपने खिलाफस्थानीय लोगों को भड़काने के आरोप में जतरा भगत को गिरफ्तार कर लिया। जेल में उन्हें इतनी यातनाएं दी गई कि वहां से निकलने के कुछ ही समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। उसके बाद टाना भगत आंदोलन खत्म होने के बजाय और तेज हो गया ब्रिटिशों से लड़ाई में अहिंसा इन आंदोलनकारियों का हथियार थी। उसी दौरान इससे जुड़े कुछ आंदोलनकारियों की रांची में महात्मा गांधी से मुलाकात हुई। गांधी पर इन आंदोलनकारियों की अहिंसक लड़ाई का असर पड़ा, वहीं ये लोग भी गांधी से बेहद प्रभावित हुए। खादी कपड़ा और गांधी टोपी इन आंदोलनकारियों का पहनावा बन गई। आदिवासी लेखकों का तो यहां तक दावा है कि अहिंसक सत्याग्रह की व्यावहारिक समझ गांधी ने झारखंड के टाना भगत आंदोलन से ही प्राप्त की थी।

टाना भगत आंदोलनकारियों का बड़ा हिस्सा गांधी के सत्याग्रह से जुड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुआ था। तब कांग्रेस के कई सम्मेलनों में बड़ी संख्या में टाना भगत आंदोलन से जुड़े लोग शामिल हुए थे।

आज भी टाना भगत के अनुयायी आदिवासियों की दिनचर्या राष्ट्रीय ध्वज के नमन से होती है, जिसे और झोले में शंख होता है। घंटी और शंख अंग्रेजी शासन के खिलाफ आजादी के लिए शुरू किए गए शंखनाद का प्रतीक माना जाता है। जमीन का लगान देने से इनकार करने के कारण इस समुदाय के अनेक लोगों की जमीनें अंग्रेजों ने नीलाम कर दी थीं। आजादी के बाद उन्हें उनकी जमीन वापस दिलाने का कानून पारित किया गया, इसके बावजूद विभिन्न वजहों से उनमें से बहुतों को अपनी जमीन वापस नहीं मिली। विडंबना यह भी है कि टाना भगत और उनके गांव के बारे में भी व्यापक चर्चा बीती सदी के आठवें दशक में शुरू हुई। ऐसे में, चिंगरी नवाटोली गांव एक तीर्थस्थल का स्वरूप तो ले चुका है, जहां आकर लोग टाना भगत की वीरता की कहानी के बारे में जानते हैं, परंतु इस गांव की बदहाली दूर नहीं हुई है। इस महान स्वतंत्रता सेनानी के परिजन और दूसरे लोग रोजगार के अभाव में पलायन करने के लिए मजबूर हैं। टाना भगत इतने चर्चित व्यक्तित्व रहे हैं कि दिवंगत बांग्ला कवि शंख घोष ने उन पर एक कविता टाना भगतेर प्रार्थना (टाना भगत की प्रार्थना) लिखी है।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

मेरे ख्वाब बहुत नहीं
थे जो दौड़ना-भागना
पड़ता जिंदगी में बस
एक प्यारा सा घर हो
मुस्कुराती जिंदगिया
उमें हो।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

हाईस्कूल जामगांव में हुआ सरस्वती सायकल का वितरण

रायगढ़। छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव, विकासखण्ड रायगढ़ में 52 बालिकाओं को सायकल वितरण किया गया। बालिकाओं के सायकल वितरण कार्यक्रम में जामगांव हायर सेकेण्डरी स्कूल के शाला विकास समिति अध्यक्ष एस.के.चौहान, सरपंच सायरा बानो एवं उपसरपंच अशोक अग्रवाल, ग्राम पंचायत कोलाइबहाल प्राचार्य पी.आर.खूंटे एवं स्कूल के समस्त व्याख्याता, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की उपस्थिति में नि:शुल्क सरस्वती सायकल वितरण किया गया। अध्यक्ष एवं सरपंच ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आप सबको छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नि:शुल्क सायकल का वितरण किया जा रहा है, ताकि आप सभी को अपने घर से स्कूल आने-जाने में असुविधा न हो और आप अपना पढ़ाई निरन्तर जारी रख सकें।

अवकाश, प्रशिक्षण आदि की स्वीकृति, अनुमति के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तारन प्रकाश सिन्हा के आदेशानुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-73 खैरागढ़ में उप निर्वाचन 2022 के कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए अधिकारी-कर्मचारी को अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश, चिकित्सा अवकाश, कोई भी प्रशिक्षण में जिले से बाहर जाने की पूर्व अनुमति के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किया गया है। अधिकारी-कर्मचारी अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश, चिकित्सा अवकाश, कोई भी प्रशिक्षण में जिले से बाहर जाने की अनुमति कार्यालय प्रमुख द्वारा स्वीकृत नहीं किया जाएगा। साथ ही कार्यालय एवं विभाग प्रमुख को भी अवकाश के लिए अनुमति लेना होगा। किसी अधिकारी-कर्मचारी द्वारा किसी भी प्रकार के अवकाश के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण उपरांत पर्याप्त कारण होने पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय को प्रेषित किया जाएगा।

5 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल

छत्तीसगढ़ के 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण-पत्र

जगदलपुर जिला अस्पताल और लोरमी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को प्रसव सुविधाओं के लिए 'लक्ष्य' प्रमाण-पत्र

स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने उत्कृष्टता हासिल करने वाले सभी अस्पतालों के अधिकारियों-कर्मचारियों को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले छत्तीसगढ़ के छह सरकारी अस्पतालों को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS- National Quality Assurance Standard) प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। इनमें पांच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक ग्रामीण अंचल का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल है।

साथ ही जगदलपुर जिला अस्पताल और लोरमी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को प्रसव कक्ष और मैटरनिटी ऑपरेशन थियेटर की उत्कृष्ट सुविधाओं तथा प्रसूताओं एवं गर्भवती महिलाओं की अच्छी देखभाल के लिए 'लक्ष्य' प्रमाण-पत्र (LaQshya Certification) प्रदान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने समर्पित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र हासिल करने वाले इन सभी अस्पतालों के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने भरोसा जताया है कि ये अस्पताल आगे भी अपनी उत्कृष्टता बरकरार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और प्रदेश के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग के संबंधित जिलों के मैदानी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जशपुर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भेलवा, फरसाबहार को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। वहीं राज्य के पांच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी इस प्रमाण पत्र से नवाजा है। इनमें रायपुर के तीन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंगोरा भाठा, उरला व भनपुरी, कोरबा के ढोढीपारा तथा दुर्ग जिले का चरोदा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत राज्य के अस्पतालों में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों के नियमित प्रशिक्षण के बाद संस्था का आंतरिक तथा राज्य स्तरीय मूल्यांकन, सेवा प्रदाय ऑडिट तथा मरीज संतुष्टि सर्वे की प्रक्रिया की जाती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम द्वारा इस साल जनवरी-फरवरी में इन अस्पतालों का निरीक्षण कर वहां मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया था। उन्होंने इस संबंध में मरीजों से भी फीडबैक लिया था। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र और 'लक्ष्य' प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का कई मानकों पर परीक्षण किया जाता है।

इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किए जाते हैं।

स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा का आयोजन 21 से 27 तक

बालोद। जिले में पॉच वर्ष से कम आयु के बच्चों का पोषण स्तर ज्ञात करने के लिए 21 मार्च से 27 मार्च 2022 तक स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी हरिकीर्तन राठौर ने बताया कि स्पर्धा का उद्देश्य शून्य से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के पोषण की स्थिति में सुधार, कुपोषित बच्चों के साथ-साथ स्वस्थ बच्चों पर अधिक ध्यान देना तथा बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित मुद्दों पर समुदाय का भावनात्मक जुड़ाव पैदा करना है। इस तरह के आयोजन से पोषण, स्वास्थ्य और वेलनेस के मुद्दों पर समुदाय को संगठित और संवेदनशील बनाना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में 1523 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित है।

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क अधिकारी संघ ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क अधिकारी संघ ने छत्तीसगढ़ में शासकीय सेवकों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया है। संघ ने इसे प्रदेश के कर्मचारियों के हित में ऐतिहासिक फैसला बताया है। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क अधिकारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने आज मुख्यमंत्री श्री बघेल से विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में सौजन्य मुलाकात कर उनके प्रति आभार प्रकट किया।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में राज्य में पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा की है।

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क अधिकारी संघ के अध्यक्ष श्री बालमुकुन्द तम्बोली ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा है कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री बघेल के इस संवेदनशील निर्णय से शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों में आर्थिक निश्चिंतता बढ़ी है। सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका सम्मानपूर्वक पारिवारिक और सामाजिक जीवन सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने हमेशा शासकीय सेवकों के हित में संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिए हैं।

यही कारण है कि आज राज्य में शासकीय सेवकों का मनोबल बहुत ऊंचा है और वे पूरे मनोयोग से शासकीय योजनाओं और नीतियों के क्रियान्वयन में जुटे हुए हैं। श्री तंबोली ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के पश्चात एक निश्चित पेंशन राशि प्राप्त होगी। साथ ही आश्रित परिवार को पेंशन का लाभ मिलेगा। इस घोषणा से कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिजनों में भी खुशहाली का माहौल है। इससे सरकारी अधिकारी और कर्मचारी अधिक उत्साह और समर्पण भाव से कार्य करेंगे और छत्तीसगढ़ के विकास में सहभागी बनेंगे।

प्रतिनिधि मंडल में छत्तीसगढ़ जनसंपर्क अधिकारी संघ के संरक्षक जे.एल.दरियो और श्री उमेश मिश्रा सहित सर्वश्री प्रेमलाल पटेल, आनंद सोलंकी, मुन्नालाल चौधरी, मनराखन मरकाम, नितिन शर्मा, जरीफ खान, कमलेश साहू, कमलज्योति जाहिरे, सचिन शर्मा, ओमप्रकाश डहरिया, भवानी सिंह ठाकुर, रविन्द्र चौधरी शामिल थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोबर से बजट ब्रीफकेस बनाने वाली दीदियों को किया सम्मानित

भावुक हुई नोमिन पाल ने कहा कभी सोचा नहीं था कि मुख्यमंत्री हमें बुलाकर करेंगे सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गोबर से बजट का ब्रीफकेस बनाने वाली स्व सहायता समूह की महिलाओं के लिए तब यादगार बन गया जब स्वयं मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने उन्हें विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में बुलाकर सम्मानित किया । मुख्यमंत्री से सम्मानित होने पर स्वयं सहायता समूह की दीदियां भावुक हो गईं और कहा कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनके काम का सम्मान स्वयं मुख्यमंत्री करेंगे ।

आपके बनाये हुये ब्रीफकेस की चर्चा देशभर में हो रही : मुख्यमंत्री

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्व सहायता समूह की दीदीयों नीलम अग्रवाल , नोमिन पाल, मनीषा पटवा,कांति यादव,लता पुणे को होली के त्योहार से पूर्व मिठाई भी भेंट की । मुख्यमंत्री ने दीदियों से कहा कि आपके द्वारा बनाए गए ब्रीफ्केस की चर्चा पूरे देश भर में हो रही है आपका यह कार्य मौलिक तो है ही साथ ही हमारे गोधन का भी सम्मान है ।

नोमिन ने मुख्यमंत्री को बताया कि हम लोग गोबर से पेंट बनाने की तैयारी कर रहे हैं साथ ही गोबर की ईंट बनाकर छत्तीसगढ़ महतारी का मंदिर बनाने की भी योजना है । मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि आपके प्रयासों में हम पूरा सहयोग करेंगे ।

गौठान ने दिया कठिन वक्त में सहारा

समूह की नोमिन पाल ने बताया कि पति के निधन के बाद घर चलाने मुश्किल हो गया था 6 महीने बहुत दिक्कत हुई, लेकिन अब गौठान के जरिये गोबर से निर्मित कई सामान बना रहे हैं और महीने में लगभग 15 हजार रुपये कमा लेते हैं । होली से पहले ही गोबर से निर्मित150 किलो से ज्यादा गुलाल बेच चुके हैं, दिल्ली से भी गुलाल का आर्डर मिला लेकिन समय की कमी के चलते हमने मना कर दिया है । गोबर की लकड़ी , दिये मूर्ति, चप्पल भी बड़ी संख्या में बना रहे हैं । आपको बता दें कि बजट ब्रीफ्केस नगर पालिक निगम रायपुर के गोकुल धाम गोठान में कार्य करने वाली 'एक पहल' महिला स्व सहायता समूह की एसएचजी दीदी नोमिन पाल द्वारा बनाया गया था । ब्रीफ्केस को गोबर , चुना पावडर , मैदा लकड़ी एवं ग्वार गम के मिक्चर को परत दर परत लगाकर 10 दिनों की कड़ी मेहनत से तैयार किया गया है । इसी तकनीक से समूह द्वारा गोबर के खड़ाव (एक तरह की चप्पल) भी बनाई जाती है । इसमें लगे हैंडल और कार्नर कोंडागांव शहर में समूह द्वारा निर्मित बस्तर आर्ट कारीगर से तैयार करवाया गया है ।

कृषि छात्रों के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन की असीम संभावनाएं - डॉ. चंदेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कैरियर डेव्हलपमेन्ट सेन्टर द्वारा आज यहां राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नाहेप) के सहयोग से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए "संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्चतर शिक्षा की संभावनाएं एवं आवश्यकताएं" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर कहा कि कृषि छात्रों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में भी उच्च शिक्षा के असीमित अवसर उपलब्ध हैं। इन देशों में कृषि से संबंधित पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट तथा पोस्ट डॉक्टरेट कोर्सेज में अध्ययन के अवसर मिलने में अधिक कठिनाई नहीं होती। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियां भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी सकारात्मक सोच एवं स्पष्ट रणनीति के साथ इन संस्थाओं में प्रवेश हेतु प्रयास करता है तो उन्हें सफलता मिलना निश्चित है। डॉ. चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अपने विद्यार्थियों को विदेशी विश्वविद्यालयों में अध्ययन के अवसर उपलब्ध कराने हेतु उन विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध किये जा रहे हैं। जल्द ही जॉर्जिया विश्वविद्यालय के साथ भी एम.ओ.यू. किया जाएगा। कार्यशाला की अध्यक्षता प्लान्ट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एवं बायोटेक्नोलॉजी संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.बी. वेरूलकर ने की।

हाईब्रीड मोड में आयोजित इस कार्यशाला में जॉर्जिया विश्वविद्यालय अमेरिका के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुदीप बाग ने संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालय में कृषि से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों के अध्ययन हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

खास खबर

नवा रायपुर में किसान की आकस्मिक मौत की दण्डाधिकारी जांच शुरू

रायपुर। नवा रायपुर में एनआरडीए भवन के पास आंदोलनरत किसानों के साथ मौजूद किसान सियाराम पटेल की दुखद मौत की दण्डाधिकारी जांच शुरू हो गई है। कलेक्टर सौरभ कुमार ने इस जांच के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एनआर साहू को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। किसान की आकस्मिक मौत के संबंध में गवाहों के साक्ष्य, बयान और दस्तावेज रायपुर कलेक्टोरेट कार्यालय के कमरा नम्बर 17 में अगले 10 दिनों तक लिए जाएंगे। कलेक्टर सौरभ कुमार ने जांच में सहयोग के लिए संयुक्त कलेक्टर डॉ. सुभाष सिंह राज और डिप्टी कलेक्टर अतुल विश्वकर्मा को सहयोगी अधिकारी भी नियुक्त कर दिया है।

जांच अधिकारी और एडीएम एनआरसाहू ने जन सामान्य को सूचित करते हुए कहा है कि नवा रायपुर में एनआरडीए भवन के पास 11 मार्च 2022 को ग्राम बरोंदा, थाना माना निवासी सियाराम पटेल की आकस्मिक मृत्यु के संबंध में आमजन, संस्था या व्यक्ति अपना बयान एवं अन्य साक्ष्य 24 मार्च 2022 तक प्रस्तुत कर सकते है। कार्यालयीन समय हर रोज 24 मार्च तक में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी कार्यालय कमरा नम्बर 17 कलेक्टोरेट कार्यालय में यह कार्रवाई संचालित होगी। किसान सियाराम पटेल की मृत्यु के कारण और परिस्थितियों सहित जांच अधिकारी के द्वारा तय अन्य बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। कलेक्टर ने जांच अधिकारी को जल्द से जल्द जांच पूरी कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि 11 मार्च को ग्राम बरौदा थाना माना निवासी सियाराम पटेल की नवा रायपुर में एन आर डी ए भवन के पास आंदोलनरत किसानों के साथ मौजूदगी के दौरान आकस्मिक मृत्यु हो गई है। मृत्यु के कारणों की दण्डाधिकारिक जांच के आदेश कलेक्टर सौरभ कुमार 12 मार्च को ही दे दिए थे।

जनपद और नगरीय निकायों में दिव्यांगजन प्रमाणीकरण बनाने 16 मार्च से लगेंगे शिविर

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार ने जिले के दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण हेतु जिला चिकित्सा बोर्ड को आदेशित किया है। उन्होंने जिले के जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों में शिविर आयोजित कर दिव्यांग हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। ये शिविर 16 मार्च से लगेंगे। इसके तहत जनपद पंचायत तिल्दा में 16 और 17 मार्च, जनपद पंचायत धरसीवां में 21 और 22 मार्च, जनपद पंचायत आरंग में 23 और 24 मार्च, जनपद पंचायत अभनपुर में 25 और 29 मार्च में शिविर लगेंगे। इसी तरह नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा में 30 मार्च, नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा में 31 मार्च, नगर पालिका परिषद् आरंग में 1 अप्रैल, नगर पंचायत माना कैंप में 4 अप्रैल, नगर पंचायत खरोरा में 5 अप्रैल, नगर पंचायत अभनपुर में 6 अप्रैल, नगर पंचायत कुरा में 7 अप्रैल, नगर पंचायत मंदिर हसौद में 8 अप्रैल, नगर पंचायत चंद्रखुरी में 11 अप्रैल और नगर पंचायत समोदा में 12 अप्रैल को दिव्यांगजन प्रमाणीकरण हेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण और पंचायत ग्रामीण विभाग सम्मिलित होंगे। इन शिविरों के माध्यम से 2 हजार से अधिक दिव्यांग हितग्राहियों का प्रमाणीकरण किया जाएगा।

लेखापाल एवं कनिष्ठ लेखापालभर्ती परीक्षा 20 मार्च को

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा लेखापाल एवं कनिष्ठ लेखापाल भर्ती परीक्षा 20 मार्च को निर्धारित पांच केन्द्रों में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा सुबह 10 बजे से 1 बजे तक संचालित होगी। कलेक्टर सौरभ कुमार ने परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर मुकेश कुमार कोठारी को नोडल अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक केएस पटले को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा के दौरान सभी परीक्षार्थियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को कोविड-19 महामारी के दिशा निर्देशानुसार सोशल डिस्टेसिंग, सेनेटाईजेशन, मास्क पहनना एवं अन्य सभी दिशा निर्देशों का पालन करने के आदेश दिए हैं।

जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें पार्षदः राज्यपाल

राज्यपाल सुश्री उइके रायपुर नगर पालिक निगम की सामान्य सभा में शामिल हुई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके आज रायपुर नगर पालिक निगम की सामान्य सभा में शामिल हुई। राज्यपाल ने निगम कार्यालय महात्मा गांधी सदन पहुंचकर राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान विधायक द्वय सत्यनारायण शर्मा, कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर व सभापति प्रमोद दुबे, नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे सहित महिला पार्षदों ने भी राज्यपाल सुश्री उइके का आत्मीय स्वागत किया। संभवत: यह ऐसा पहला मौका है कि जब कोई राज्यपाल नगर निगम की सामान्य सभा में शामिल हुआ हो।

नगर निगम की सामान्य सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल सुश्री उइके ने पार्षदों का आह्वान किया कि जनआकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करें और जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें। आप सभी पार्षद जनता की आवाज हैं तथा आमजनों की मूलभूत जरूरतों को पूरा करना आपकी जिम्मेदारी भी है। आपके आचार-विचार और संस्कार में अहंकार न हो। सतत् रूप से अपने क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों से अपने कामों का फीडबैक भी लें, ताकि लोग क्या चाहते हैं, इसकी आपको जानकारी रहे। सुश्री उइके ने कहा कि नगरीय निकाय और ग्राम पंचायतें लोकतंत्र की प्राथमिक शाला है। यहां निर्वाचित होकर पहुंचे जनप्रतिनिधियों का लोकतंत्र व संसदीय कार्यप्रणाली से पहली बार परिचय होता है। इस सदन में मेरा पहला अनुभव है। लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभा की तरह यहां भी पक्ष-विपक्ष के सवाल-जवाब होते हैं, प्रश्नकाल और ध्यानाकर्षण के लिए समय निर्धारित है। निश्चित ही रायपुर को स्वच्छ, सुंदर और स्मार्ट सिटी बनाने में सदन की भूमिका महत्वपूर्ण रही होगी। उन्होंने कहा कि मैं नगरीय निकायों अथवा ग्राम पंचायतों के निर्वाचित पदों पर नहीं रही, किन्तु महाविद्यालय की राजनीति से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। आप सब भी इस सदन से निरंतर सीखते होंगे जो आपके भावी राजनीतिक जीवन में मददगार होगा। नगरीय निकाय के सदन से निकलकर लोग अनेक महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं।

झारखण्ड के राज्यपाल रमेश बैस कभी इस सदन के सदस्य रहे। अनेक विधायक, सांसदों ने भी अपने सफर की शुरूआत इसी सदन से की है। आप जितना अच्छा काम करेंगे तो लोगों का स्नेह व सम्मान उतना ही अधिक मिलेगा और आप अपने भावी राजनीतिक जीवन में नई ऊंचाईयों पर पहुंचेंगे। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि मैं विभिन्न पदों पर रहते हुए देश के अनेक राज्यों का भ्रमण किया, किन्तु छत्तीसगढ़ में मेरे कार्यकाल के ढाई साल कैसे बीते, यह पता ही नहीं चला। मैं प्रदेश भर में जहां भी गई लोगों ने बड़ी ही आत्मीयता के साथ मुझे स्वीकारा और सम्मान दिया। प्रदेशवासी बड़े ही सरल, सहज और मृदुभाषी हैं, जो छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया की सार्थकता सिद्ध करती है।

राज्यपाल सुश्री उइके ने अपने उद्बोधन में रायपुर शहर में निगम द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों सहित विवेकानंद सरोवर, तेलीबांधा तालाब सौंदर्यीकरण और नालंदा लाइब्रेरी, पिंक टॉयलेट जैसी पहल की सराहना की। इस दौरान महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे और आयुक्त नगर निगम प्रभात मलिक ने भी सभा को संबोधित किया। राज्यपाल सुश्री उइके को महापौर एजाज ढेबर ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने राजभवन में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारंभ

रायपुर। राजभवन में राज्यपाल अनुसुईया उइके ने राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने स्वयं अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर में बड़ी संख्या में कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया। राज्यपाल सुश्री उइके ने राजभवन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि वे सभी लोग इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं। राज्यपाल ने स्वास्थ्य शिविर के सभी स्वास्थ्य जांच और परीक्षण स्थल पर

जाकर स्वास्थ्य परीक्षण की प्रगति के संबंध में पूछताछ की। इस शिविर में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के पैथोलॉजी, नेत्ररोग, दंत रोग, त्वचा रोग, अस्थि रोग, शिशु रोग और स्त्री रोग विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो, उपसचिव दीपक अग्रवाल, नियंत्रक हरवंश मिरी, राजभवन के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनीति मंगरूलकर, डॉ. रूपल पुरोहित, डॉ. शिशिर साहू सहित राजभवन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों को प्री स्कूल या बालवाड़ी से कक्षा पहली में जाएंगे, तो वह पढ़ाई-लिखाई करने की स्थिति में होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा के माध्यम से औपचारिक शिक्षा से जोड़ा जाना जरूरी है। स्कूल शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के संचालक के संचालक राजेश सिंह राणा ने स्कूल रेडिनेस के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थीयों से कहा कि इस प्रशिक्षण में सिखायी गई बातों को शिक्षकों तक पहुंचाना है। आने वाले समय में हमें आशा रहनी चाहिए कि इसका असर हर गांव, हर बच्चे तक दिखेगा। उन्होंने कहा कि इस विषय की संवेदनशीलता बहुत गहरी है। जब हम बच्चों को प्राथमिक शिक्षा देते हैं, बच्चे आंगनबाड़ी से स्कूल में आता है तो वो स्कूल में आने के बाद कई बच्चे एडाप्ट कर लेते है, कई बच्चे नहीं कर पाते है।

श्री राणा ने कहा कि हमारा उद्देश्य रहना चाहिए कि हम अधिक से अधिक बच्चे को समावेशी शिक्षा में ले जाने के लिए इस पाठ्यक्रम का उपयोग करेंगे। बच्चों के साथ घुल मिलकर उनको शिक्षा पद्धति के बारे में बताना जरूरी है। बच्चों को बुनियादी शिक्षा देना जरूरी है। नई शिक्षा नीति-2020 में इन बातों पर विशेष ध्यान रखा गया है। जिस प्रकार प्राईवेट स्कूलों में यह कॉन्सेप्ट है कि बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में आने के लिए हम उनकी रूचि को और उनको शिक्षा के प्रति एक सामान्य आधार तैयार करें। उन्होंने कहा कि पूरे जीवन भर बच्चे क्या करेंगे, कैसे करेंगे किस विद्या में पारंगत होंगे यही वह पहला साल है वही निर्धारित करेगा। यदि बच्चे में कोई विशेष गुण है तो उसे पहचानने का कार्य इन्ही तीन महीनों में करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि पांच दिनों के प्रशिक्षण का लाभ आने वाले सत्र में बच्चों को मिलेगा, इस जिम्मेदारी को संवेदनशीलता से निभाएं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक डॉ.योगेश शिवहरे ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील मिश्रा और आभार प्रदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. जयाभारती चंद्राकर ने किया।

मंत्री अनिला भेंड़िया ने सात दिव्यांग दम्पत्तियों को प्रदान किए 5.50 लाख रूपए के चेक

दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत दी गई सहायता राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण अनिला भेंड़िया ने मंगलवार को रायपुर में दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत 07 दिव्यांगजन दम्पत्तियों को 5.50 लाख रूपये का चेक प्रदान किए। इनमें से पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने के कारण चार जोड़ों को पृथक-पृथक 1.00 लाख रूपये एवं पति-पत्नी में से एक के दिव्यांग होने के कारण तीन जोड़ों को पृथक-पृथक 50,000/- रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि राज्य सरकार पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने पर एक लाख रूपए और दोनों में से किसी एक के दिव्यांग होने पर 50 हजार रूपए प्रदान करती है। इससे दिव्यांग दम्पत्तियों को नया जीवन शुरू करने और स्व-रोजगार के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में सहायता मिलेगी। प्रोत्साहन राशि प्राप्त दंपत्तियों में 04 जोड़े आरंग जनपद पंचायत क्षेत्र, 02 जोड़े रायपुर नगर निगम क्षेत्र और एक जोड़ा धरसींवा विधानसभा क्षेत्र का निवासी हैं। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खाली सीटों के बाद भी शो हाउसफुल दिखाने की शिकायत पर आबकारी विभाग ने की जांच

ऑनलाइन और ऑफलाइन बेचे जा रहे हैं फिल्म के टिकट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिटी सेंटर मॉल पंडरी में सिनेमा संचालित करने वाली संस्था पीवीआर के खिलाफ आबकारी विभाग को ये शिकायत मिली थी कि पीवीआर मूवी शो में सीटें खाली होने के बाद भी दर्शकों को टिकट नहीं दे रहा है और शो हाउसफुल का बोर्ड लगा दिया गया है। इस शिकायत के बाद आबकारी विभाग ने पूरे मामले की जांच करायी है। आबकारी विभाग द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट मे ये कहा गया है कि 11 मार्च 2022 दिन शुक्रवार को पीवीआर की बुकिंग चार्ट में 50 फीसदी क्षमता के साथ दि काश्मीर फाइल्स फिल्म को पहली बार 3 शो में प्रसारित किया गया था। इसके बाद अगले दिन 12 मार्च 2022 को शासन के आदेशानुसार कुल सीट के शत-प्रतिशत क्षमता के अनुसार फिल्म को 4 शो में टिकट विक्रय कर दिखाया गया था। जांच अधिकारी के अनुसार रविवार को फिल्म के 09 शो तथा सोमवार को फिल्म के 08 शो को शत-प्रतिशत क्षमता के अनुसार प्रसारित किया गया। मंगलवार 15 मार्च 2022 को ये फिल्म 10 शो में दिखायी जा रही है। जांच अधिकारी के अनुसार दोपहर 3.25 बजे के शो में 267 सीटों में से 256 सीटें फुल थीं तथा सायं 5.45 बजे की शो के 176 में से सभी टिकट बिक चुके थे। जांच अधिकारी के अनुसार ये आंकड़ा पीवीआर संचालक के बुकिंग चार्ट से लिया गया है।

इसी तरह पंडरी स्थित सिटी सेंटर माल में संचालित पीवीआर ने इस संबंध में भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ देवेन्द्र नगर पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज करायी है। पीवीआर प्रबंधन ने पुलिस थाने में लिखित शिकायत देते हुए कहा है कि 12 मार्च 2022 से शासन के आदेशानुसार शत-प्रतिशत क्षमता के साथ पीवीआर में फिल्मों का प्रदर्शन हो रहा है। इसमें दि काश्मीर फाइल्स भी शामिल है। पीवीआर ने अपनी शिकायत में कहा है कि दर्शकों की मांग के आधार पर पीवीआर ने फिल्म के शोज भी बढ़ा दिए हैं। पीवीआर ने लिखित शिकायत में ये कहा कि फिल्म के टिकट ना देने की बात पूरी तरह से झूठी है और फिल्म से संबंधित टिकट ऑनलाइन और ऑफलाइन बेचे जा रहे हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

असम सीएम हेमंत बिस्वा सरमा का ऐलान, 'द कश्मीर फाइल्स' देखने के लिए कर्मचारियों को मिलेगा हाफ डे

द कश्मीर फाइल्स 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म रिलीज के बाद से ही नए रिकॉर्ड्स बना रही है। फिल्म को कई राज्यों ने टैक्स फ्री भी कर दिया है। अब असम के मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों को फिल्म को देखने के लिए हाफ डे की छुट्टी का ऐलान किया है। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर दिया है। उन्होंने लिखा, यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे सरकारी कर्मचारियों को 'द कश्मीर फाइल्स' देखने के लिए आधे दिन की स्पेशल छुट्टी दी जाएगी। इसके लिए उन्हें सिर्फ अपने सीनियर अधिकारियों को जानकारी देनी होगी और अगले दिन फिल्म की टिकट जमा करनी होगी।

विक्की कौशल स्टारर 'सैम मानेकशॉ' की शूटिंग अगस्त में होगी शुरू

विक्की कौशल की अपकमिंग फिल्म 'सैम मानेकशॉ' की शूटिंग अगस्त महीने में शुरू होगी। इस फिल्म के सेट से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस फिल्म में विक्की के अलावा सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख नजर आएंगी। वहीं फिल्म को मेघना गुलजार डायरेक्ट कर रही हैं। यह फिल्म देश के पहले फील्ड मार्शल की लाइफ पर बेस्ड है।

सतीश जैन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चल हट कोनो देख लिही' का पहला गाना होगा रिलीज

मोर छईहा भुइया, झन भूलो मां बाप ला, मया, टूरा रिक्शावाला, लैला टिप टॉप छैला अंगूठा छाप, हस झन पगली फंस जाबे जैसी सुपरहिट फिल्म बनाने वाले जाने-माने निर्देशक सतीश जैन की अपकमिंग मूवी चल हट कोनो देख लिही इसी साल 13 मई को रिलीज होगी। पहले ये फिल्म दीपावली के आसपास रिलीज होने वाली थी। लेकिन इसे अब 13 मई तक बढ़ा दिया गया है। वैसे आपको बता दें कि हाल ही में 'चल हट कोनो देख लिही' का फर्स्टलुक भी सामने आया है। इसके साथ ही आपको बता दें कि इस होली में यानी 19 मार्च को शाम 4.00 बजे 'चल हट कोनो देख लिही' का पहला गाना रिलीज होने वाला है। ये गाना एवीएम गाना यू-ट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। आपको बता दें कि सतीश जैन ने छॉलीवुड को मोर छईयां भुईयां, झन भूलो मां-बाप ला, लैला टिपटॉप छैला अंगूठा, हंस झन पगली जैसे कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। और अब उनकी आने वाली फिल्म चल हट कोनो देख लिही का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। चल हट कोनो देख ले ही की शूटिंग के फोटोग्राफ्स सतीश जैन समय-समय पर सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। आपको बता दें कि पिछले वर्ष स्मार सिनेमा अवार्ड में सतीश जैन की हंस झन पगली ने 16 पुरस्कार अपने नाम किए थे।

फिल्म फ्लॉप होने पर कर्ज में डूबे थे राजपाल यादव, जेल में गुजारे थे तीन महीने

राजपाल यादव बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अभिनय के बल पर लोगों को खूब हंसाया है। राजपाल यादव आज अपना 51वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका जन्म 16 मार्च 1971 को उत्तरप्रदेश के शाहजहांपुर में हुआ था। बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने के लिए राजपाल ने पहले छोटे-छोटे रोल से शुरुआत की। इसके बाद उन्हें लोगों ने पसंद किया और वह इंडस्ट्री में कॉमेडी के बेताज बादशाह बन गए। आज हम आपको उनके जीवन से जुड़े कुछ किस्से बताने जा रहे हैं।

'प्यार तूने क्या किया' से मिली पहचान

राजपाल यादव ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत 1999 में फिल्म 'दिल क्या करे' से की थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में छोटे-छोटे रोल किए, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद 2000 में उन्हें 'जंगल' फिल्म मिली, जिसमें उन्होंने खलनायक सिक्का का किरदार निभाया। इसके बाद उन्हें 'प्यार तूने क्या किया' में काम किया, जिससे उन्हें असली पहचान मिली और वह कई फिल्मों में नजर आने लगे।

कॉमिक टाइमिंग को दर्शकों ने किया पसंद

राजपाल यादव ने 'हंगामा', 'अपना सपना मनी मनी', 'भूल भूलैया', 'चुप चुप के', 'फिर हेराफेरी', 'ढोल', 'मैं', 'मेरी पत्नी और वो', 'मुझसे शादी करोगे', 'गरम मसाला', 'भूतनाथ' समेत कई फिल्मों में काम किया और हर फिल्म में उनकी कॉमिक टाइमिंग की वजह से दर्शकों ने खूब पसंद किया। उन्होंने अपने करियर में फिल्मों में खलनायक की भूमिका भी निभाई, लेकिन उन्हें पहचान कॉमेडी फिल्मों से मिली। उन्होंने कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं।

निजी जिंदगी में रहे उतार चढ़ाव

राजपाल यादव का बचपन बेहद गरीबी में गुजरा था। राजपाल यादव के छह भाई-बहन थे, जिन्हें उनके पिता खेती कर पालते थे। राजपाल यादव ने स्कूल से निकलने के बाद दो साल तक कपड़े की फैक्ट्री में टेलरिंग का काम किया था। राजपाल यादव ने दो शादियां की हैं। उनकी पहली पत्नी करुणा की बेटी को जन्म देते हुए मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उन्होंने 2003 में राधा से दूसरी शादी की।

पहली नजर में दे बैठे थे दिल

यूं तो राजपाल यादव ने ज्यादातर कॉमेडी फिल्में ही की हैं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी रोमांटिक फिल्म से कम नहीं है। दरअसल, राजपाल यादव अपनी पत्नी राधा से कनाडा से मिले थे। वह 'द हीरो' फिल्म की शूटिंग के लिए कनाडा गए थे और पहली ही नजर में राधा को दिल दे बैठे थे। जब वह अपनी फिल्म की शूटिंग खत्म करके भारत वापस आ गए तो दोनों ने शादी करने का फैसला लिया और राधा कनाडा छोड़ भारत आ गईं। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली और दोनों की एक बेटी है।

जेल में रहे थे बंद

राजपाल यादव का विवादों से भी नाता रहा है। 2013 में पांच करोड़ का लोन चुकाने में नाकाम रहने पर उन्हें जेल जाना पड़ा था। राजपाल ने बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू किया था, तब बिजनेसमैन एम जी अग्रवाल से मदद ली थी। फिल्म फ्लॉप हो गई और वह नुकसान में चले गए। ऐसे में कर्ज के पैसे न चुकाने पर उन्हें तीन महीने की जेल हो गई थी।

मैं कर्ज में डूबा हुआ हूं, मेरी जगह कोई और होता तो वो अब तक सुसाइड कर लेताः करणवीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के शो 'लॉक-अप' में हाल ही में करणवीर बोहरा ने खुद से जुड़े कुछ खुलासे किए हैं। करण ने बताया कि वो पिछले 7 सालों से अपने करियर में कुछ अच्छा नहीं कर पा रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वो अपने जीवन में कई कर्जों में दबे हुए हैं और उनके खिलाफ 3-4 केस भी चल रहे हैं, क्योंकि उन्होंने कई लोगों के पैसे वापस नहीं किए हैं।

कर्ज में डूबे हुए हैं करणवीर

करणवीर ने अपने मुश्किल हालातों के बारे में बात करते हुए कहा, मैं अपनी लाइफ में सबसे बुरे कर्ज में डूबा हुआ हूं। मतलब मैं इसमें धंस चुका हूं, वैसा वाला कि सिर भी बाहर नहीं है मेरा। पैसे वापस न करने की वजह से मुझपर कम से कम 3-4 केस चल रहे हैं। साल 2015 से अभी तक, मैंने जो भी काम लिया है, वो सिर्फ पैसे वापस करने या अपना कर्ज को चुकाने के लिए, किया है। मुझे अपने और अपनी फैमिली के लिए बहुत दुख है। मैं आखिर उन्हें क्या दे रहा हूं। अगर मेरी जगह कोई और होता तो वो अब तक सुसाइड कर चुका होता। मेरे लिए ये शो एक लाइफ लाइन है।

बिग बॉस 12 में टॉप 5 में शामिल थे करणवीर

करणवीर की बात करें तो वो टीवी इंडस्ट्री में काफी पॉपुलर हैं। करण ने 'कसौटी जिंदगी की', 'दिल से दी दुआ...' 'सौभाग्यवती भव?', 'शरत', 'नागिन 2' और 'कुबूल है' जैसे कई टीवी शोज में काम किया है। करण बिग बॉस के साथ-साथ कई रियलिटी शो का हिस्सा भी रह चुके हैं। साथ ही उन्होंने कई फिल्मों में काम भी किया है। करण बिग बॉस 12 में टॉप 5 की लिस्ट में शामिल थे।

द कश्मीर फाइल्सः यामी गौतम ने किया फिल्म का सपोर्ट, बोलीं-

हमें 32 साल और एक फिल्म की जरूरत पड़ी सच जानने के लिए

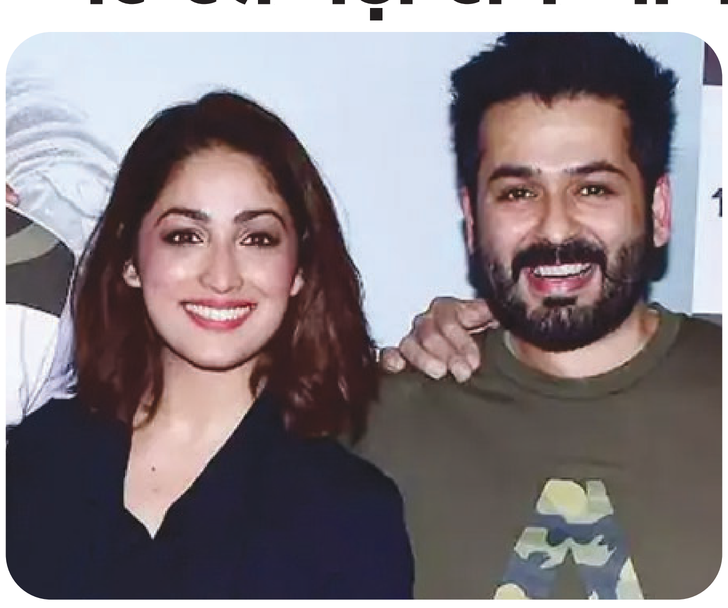

विवेक अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचा रही है। अब यामी गौतम और उनके पति आदित्य धार इस फिल्म के सपोर्ट में उतार आए हैं। सोशल मीडिया के जरिए यामी ने फिल्म की तारीफ की और फैन्स से इसको देखने की अपील की है। वहीं आदित्य, जो एक कश्मीरी पंडित हैं, ने कहा कि यह फिल्म हमारी सच्चाई दिखाने का एक साहसी प्रयास है।

यामी ने किया फिल्म का सपोर्ट

यामी ने अपने पोस्ट में लिखा, एक कश्मीरी पंडित से शादी करने की वजह से मुझे पता है कि इस शांतिप्रिय समुदाय ने कैसे-कैसे अत्याचार झेले हैं। लेकिन देश का ज्यादातर हिस्सा इससे अनजान है। हमें 32 साल और एक फिल्म की जरूरत पड़ी सच जानने के लिए। कृपया द कश्मीर फाइल्स जरूर देखें और इसका सपोर्ट करें।

आदित्य बोले यह फिल्म हमारी सच्चाई दिखाने का एक साहसी प्रयास है

आदित्य ने लिखा, आपको उन कश्मीरी पंडितों के सभी वीडियोज को देखना चाहिए जो द कश्मीर फाइल्स को देखने के बाद रो पड़े। यह सच्ची भावना है। यह दिखाता है कि कितने लंबे समय तक हमने अपने दर्द को दबाकर रखा और यह एक समुदाय त्रासदी है। हमारे पास रोने के लिए कोई कंधा नहीं था और हमारी अपील को सुनने के लिए कोई कान नहीं थे। यह फिल्म हमारी सच्चाई दिखाने का एक साहसी प्रयास है।

क्रिटिक्स-ऑडियंस दोनों से ही मिल रहे हैं फिल्म को पॉजिटिव रिव्यूज

कश्मीरी पंडितों पर बनी इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस, दोनों से ही पॉजिटिव रिव्यूज मिल रहे हैं। विवेक रंजन अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, प्रकाश बेलावड़ी, दर्शन कुमार, भाषा सुंबली, पुनीत इस्सर जैसे एक्टर्स भी लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म की देशभर में चर्चा हो रही है।

द कश्मीर फाइल्सः मैं चाहती हूं कि हर भारतीय फिल्म में मेरे किरदार से नफरत करेः पल्लवी जोशी

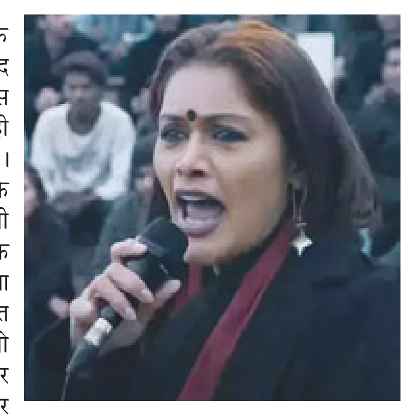

विवेक अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को क्रिटिक्स और ऑडियंस, दोनों से ही पॉजिटिव रिव्यूज मिल रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान विवेक की पत्नी पल्लवी जोशी, जिन्होंने फिल्म में एक बहुत चैलेंजिंग रोल प्ले किया है, ने अपने रोल के बारे में बात की। पल्लवी ने कहा कि वो चाहती थीं कि वो इस कैरेक्टर को ऐसे प्ले करें कि देश का हर नागरिक उससे नफरत करेगा।

पल्लवी ने बताया कि फिल्म में उन्होंने क्यों निभाई राधिका की भूमिका

पल्लवी कहती हैं, जब हम लोग कश्मीरी पंडितों से इस ट्रॉमा के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहे थे, तब हम उसी समय समझ गए थे कि लोग विलेन के किरदार में किसे देख रहे हैं। मैंने उसी समय ये ठान लिया था कि मैं इस किरदार को ऐसे करूंगी कि देश का हर नागरिक उससे नफरत करेगा। कश्मीर कभी भी हमारे देश का अभिन्न हिस्सा नहीं रहा है और ये एक सच है। अगर इंडिया ब्रिटिशर्स से अपनी आजादी के लिए लड़ सकता है तो फिर कश्मीर क्यों नहीं?

पल्लवी ने इससे पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके खिलाफ फतवा जारी किया गया था। पल्लवी ने कहा, शूटिंग के दौरान जो एक चीज हुई वो यह थी कि जब हम कश्मीर में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, तब हमारे नाम पर एक फतवा जारी किया गया था। सौभाग्य से जब हमारे नाम पर फतवा जारी हुआ था, तब हम अपने आखिरी सीन को शूट कर रहे थे। जब यह सब मुझे पता चला तब मैंने विवेक से कहा, 'चलो इस सीन को जल्दी से खत्म करते हैं और एयरपोर्ट के लिए निकलते हैं।' हम वैसे भी जा ही रहे थे, उस समय मैंने विवेक से कहा, 'कुछ कहते नहीं हैं और अभी शूटिंग पूरी करते हैं, क्योंकि फिर हमें यहां आने का दूसरा मौका नहीं मिलेगा'।

पल्लवी ने बताई फिल्म के दौरान फेस की गई सबसे बड़ी चुनौती

पल्लवी ने आगे कहा, हमने उस सीन को जल्दी से खत्म किया और मैंने कुछ लोगों को होटल भेजकर कहा कि आप लोग पैकिंग करना शुरू करो। सब चीजों को बैग में रखो और सेट पर आ जाओ। हम यहीं से निकल जाएंगे। सिर्फ यही एक सबसे बड़ी चुनौती थी, जो हमने शूट के दौरान फेस की थी।

फिल्म में अनुपम खेर और मिथुन चक्रवर्ती भी हैं लीड रोल में

बता दें पल्लवी ने फिल्म में जेएनयू की प्रोफेसर राधिका मेनन का रोल प्ले किया है। इस फिल्म के मुताबिक राधिका ने ही स्टूडेंट्स को 'आजाद कश्मीर' के लिए लड़ाई करने को मोटिवेट किया था। विवेक रंजन अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में पल्लवी जोशी के अलावा अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, प्रकाश बेलावड़ी, दर्शन कुमार, भाषा सुंबली, पुनीत इस्सर जैसे एक्टर्स भी लीड रोल में नजर आ रहे हैं।

मर्डर मिस्ट्री फिल्म से ओटीटी डेब्यू करने जा रहीं हैं करीना कपूर खान

करीना कपूर खान अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जापानी लेखक कीगो हिगाशिनो के प्रशंसित काम 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' के नेटफ्लिक्स अनुकूलन के साथ करीना अपना पहला स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट करने जा रहीं हैं। बता दें कि जहांगीर उर्फ जेह के जन्म के बाद अभिनेत्री इस फिल्म के जरिए अभिनय की दुनिया में वापसी कर रहीं हैं।

ये होगी फिल्म की स्टार कास्ट

नेटफ्लिक्स ने स्क्रिप्ट रीडिंग सेशन के दौरान करीना कपूर खान, जयदीप अहलावत और विजय वर्मा का एक दिलचस्प वीडियो साझा करते हुए अपनी अपकमिंग फिल्म की घोषणा की है। पोस्ट में इस बात की जानकारी भी दी है कि 'कहानी', 'बदला' जैसी थ्रिलर फिल्म बनाने वाले सुजॉय घोष इस मर्डर मिस्ट्री का निर्देशन करने जा रहे हैं।

सुजॉय घोष ने क्या कहा

अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक सुजॉय घोष बताते हैं कि मैंने अब तक जितनी भी किताबें पढ़ीं हैं, उनमें से 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' शायद अब तक की सबसे अच्छी प्रेम कहानी है। और इसे एक फिल्म में ढालने का मौका मिलना, मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं है। साथ ही मुझे इस फिल्म में करीना, जयदीप और विजय जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है!! कोई इससे ज्यादा और क्या मांग सकता है!!

घोषणा पर अपने विचार साझा करते हुए, करीना कपूर खान कहती हैं, मैं इस रोमांचक परियोजना पर काम शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। मेरे बेटे जेह के जन्म के बाद यह मेरी पहली फिल्म है। इसके साथ ही मैं इस फिल्म के जरिए अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रही हूं। यही कारण है कि मैं सुजॉय, जयदीप और विजय के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

प्रवेश प्रारंभ — शिक्षक कल्याण शिक्षण समिति द्वारा संचालित — प्रवेश प्रारंभ — प्रवेश प्रारंभ
महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय
बजरंग चौक, राम नगर, भिलाई
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
संचालित कक्षा - नर्सरी से कक्षा 12वी तक
प्रवेश प्रारंभ 1 फरवरी 2022 से
शाला की विशेषताएँ -
- न्यूनतम मासिक शुल्क।
- सर्वसुविधा युक्त शाला भवन।
- प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अध्यापन।
- सभी कमरों में सी.सी.टी.वी. कैमरों की व्यवस्था।
- समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण।
- मेधावी छात्रों का सम्मान।
- बच्चों का सर्वांगीण विकास हेतु निबंध, चित्रकला, हस्तकला, वाद-विवाद आदि की प्रतियोगिता।
- अधिक विद्यार्थी होने पर वर्ग विभाजन।
प्रवेश प्रारंभ
हिन्दी माध्यम नर्सरी से कक्षा बारहवी तक | अंग्रेजी माध्यम Nursery to Class 8th
संपर्क - महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय
बजरंग चौक, राम नगर मुक्तिधाम, भिलाई
समय-प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक
मो. नं. - 9993374974, 8817101734

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

भोलू मोबाईल रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयरिंग किया जाता है
(All IC Work)
मो. - 87199 99358
9131918132
शॉप नं.-148, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

Luxurious Spa
SALON & SPA
Spa, Salon
Skin, Sliming
Call
0788-4049144
98930-20144
50% OFF
2nd Floor, Above kavya Showroom, Bside Hotel The Floret, G.E. Road, Bhilai

खास खबर

कलेक्टर ने किया जनपद पंचायत प्रेमनगर का निरीक्षण

सूरजपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने जनपद पंचायत प्रेमनगर का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने स्थापना शाखा, निर्माण कार्य शाखा का निरीक्षण किया तथा मनरेगा सहित अन्य कार्यों के मजदूरी भुगतान की लंबित प्रकरण को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ राहुल देव, एसडीएम रवि सिंह, जनपद सीईओ संजय राय सहित जनपद पंचायत के विभिन्न शाखाओं के कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने जनपद स्तर पर जितने भी राशन एवं पेंशन के लंबित प्रकरण है लंबित प्रकरणों का निराकरण यथाशीघ्र करने के निर्देश जनपद सीईओ को दिये। उन्होंने जनपद में जितने नये गौठान बने है कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए तथा जनसंवाद शिविर में जो भी समस्या संबंधी विषय ग्रामीणों द्वारा आए हैं उन्हें प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने जनपद स्तर पर जितने भी कार्य अप्रारम्भ है उनको शीघ्र प्रारम्भ कर जानकारी उपलब्ध कराने तथा जो कार्य पूर्ण हो गये है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए 30 तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ (शहरी)अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र दरोगापारा वार्ड क्रमांक 18, मौदहापारा बी वार्ड क्रमांक 30 तथा आंगनबाड़ी केन्द्र देवारपारा ए वार्ड क्रमांक 38 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए 16 से 30 मार्च 2022 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए है। इच्छुक आवेदिका नियत तिथि तक अपना आवेदन परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ (शहरी)में जमा कर सकते है। नियुक्ति से संबंधित विस्तृत निर्देश व नियम शर्तो की जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर अवलोकन कर सकते है।

मार्कशीट गुमी

मैं गुंजन खोसला पिता जी. के. खोसला उम्र 32 वर्ष, पता 4/9, नेहरू नगर (ईस्ट), भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) की निवासी हूं। मेरे बैग में 10वी का मार्कशीट बैग में था। जिसका परीक्षा वर्ष सन् 2005 एवं अनुक्रमांक 1152054 उत्तीर्ण जो दिनांक 02.11.2021 को सुपेला मार्केट के आसपास कही गुम हो गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को मिले वह उपरोक्त पते पर पहुंचाने अथवा सूचना देने की कृपा करें।

गुंजन खोसला
पिता-जी.के. खोसला
पता: 4/9, नेहरू नगर
(ईस्ट), भिलाई
जिला दुर्ग (छ.ग.)
मो.नं.-7000778 122

यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया में जनरल बिपिन रावत मेमोरियल चेयर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)।भारतीय सेना ने दिवंगत चीफऑफडिफेंस स्टाफ(सीडीएस) जनरल बिपिन रावत के 65वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उनकी स्मृति में यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफइंडिया (यूएसआई) में एक चेयर ऑफएक्सीलेंस समर्पित किया है।

थल सेनाध्यक्ष और चीफ ऑफ स्टाफ कमिटी (सीओएससी) के कार्यवाहक अध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे ने इसकी औपचारिक घोषणा 15 मार्च, 2022 को साउथ ब्लॉक में आयोजित एक समारोह में की। इस अवसर पर वीसीओएएस लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे, वीसीएएस एयर मार्शल संदीप सिंह, वीसीएनएस वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे, चीफ ऑफ स्टाफ कमिटी (सीआईएससी) के अध्यक्ष के लिए एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख बीआर कृष्णा और डीसीओएएस (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल एसके शर्मा भी उपस्थित थे। वहीं, यूएसआई के निदेशक मेजर जनरल बीके शर्मा (सेवानिवृत्त) को 5 लाख रुपये का चेक सौंपा गया, जो कि नामित चेयर ऑफएक्सीलेंस को मानदेय के रूप में दिया जाएगा।

दिवंगत जनरल बिपिन रावत ने भारत के पहले सीडीएस होने के साथ-साथ भारतीय सेना के 27वें प्रमुख के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी। वे एक उत्कृष्ट पेशेवर थे और भारतीय सेना के आमूलचूल परिवर्तन के केंद्र में थे। जनरल बिपिन रावत मेमोरियल चेयर ऑफ एक्सीलेंस जुड़ाव और एकीकरण के क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। चेयर ऑफ एक्सीलेंस जनरल रावत के कुशल नेतृत्व और अपने पेशे में कुशलता के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है।

इस अवसर पर सेना प्रमुख ने बताया कि जनरल रावत रणनीतिक विचारों के लिए उत्साही थे और उन्होंने विभिन्न थिंक टैंक की गतिविधियों में काफी समय व ऊर्जा खर्च की थी और इसलिए उनके 65वें जन्मदिन पर उनके बौद्धिक संस्थानों के साथ सेवाओं के बंधन को मजबूत करने का एक सामयिक समय प्रदान किया है।

पीएम मोदी ने फिर की 'द कश्मीर फाइल्स' की तारीफ, कहा-

इसका विरोध सच को दबाने की साजिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। विधानसभा चुनाव में पांच में से चार राज्यों में सत्ता हासिल करने के बाद भाजपा के संसदीय दल की बैठक मंगलवार को दिल्ली में हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां विशेष स्वागत करने के साथ ही बैठक में आगामी राज्यों में विधानसभा चुनाव के साथ ही 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने परिवारवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि परिवारवाद ने इस देश को खोखला कर दिया है।

हमें देश को परिवारवाद से मुक्त करना है। हमें संकल्प लेना होगा कि 2024 तक कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक परिवारवाद को खत्म करना है। पीएम ने कहा कि बीजेपी के किसी बड़े नेता के बेटे या बेटी को टिकट नहीं मिला, तो मैंने यह पाप किया है।

कश्मीर फाइल्स की तारीफ की

पीएम ने अपने संबोधन के दौरान कश्मीर में बनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्मों से सच सामने आता है और जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं उनकी मंशा सच को दबाने की है। अभिव्यक्ति की आजादी का झंडा लेकर हमेशा घूमने वाला पूरा समूह हैरान रह गया है। महात्मा गांधी के जीवन पर फिल्म बनाकर दुनिया के सामने रखने के लिए उस समय अगर किसी ने साहस के साथ काम किया होता, तो हम मैसेजिंग कर पाते। पहली बार किसी विदेशी ने गांधी की फिल्म बनाई और जब उन्हें ऑस्कर मिला, तो दुनिया को पता चला कि गांधी इतने महान व्यक्ति हैं।

इस फिल्म को बीजेपी शासित आठ राज्यों में टैक्स फ्री कर दिया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड और गोवा राज्य शामिल हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने तो प्रदेश की सभी पुलिसकर्मियों को यह फिल्म देखने के लिए छुट्टी का ऐलान किया है। राज्य के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पुलिसकर्मी 'द कश्मीर फाइल्स' को देखने जाने के लिए छुट्टी ले सकते हैं। इसके लिए डीजीपी को निर्देश जारी कर दिया गया है।

बताते चलें कि कश्मीरी पंडितों के पलायन पर आधारित 'द कश्मीर फाइल्स' अभी सबसे ज्यादा चर्चा में है। भले ही फिल्म का प्रमोशन बहुत ज्यादा नहीं हुआ हो लेकिन इसे जबरदस्त माउथ पब्लिसिटी मिल रही। इसी का नतीजा है सिनेमाघरों में फिल्म को देखने के लोग उमड़ पड़े हैं। पहले तीन दिनों के कलेक्शन के बाद फिल्म ने 325 फीसदी कमाई कर ली थी, जबकि सोमवार को चौथे दिन का कलेक्शन 15 करोड़ रुपए से अधिक रहा है। फिल्म को विवेक अग्निहोत्री ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, दर्शन कुमार और पल्लवी जोशी जैसे बड़े कलाकार हैं। ऐसे समय में सत्य के लिए खड़े होने वाले लोगों के सामने जिम्मेदारी है कि वे इस ईको सिस्टम का मुकाबला करें। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस फिल्म की तारीफ की है। यही नहीं फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और उनकी टीम से पिछले दिनों उन्होंने मुलाकात भी की थी। इसकी तस्वीर भी पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर शेयर की थी। द कश्मीर फाइल्स में घाटी में 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का चित्रण किया गया है।

इस नरसंहार के चलते लाखों कश्मीरी पंडितों को घाटी से पलायन करना पड़ा था। यूपी, गोवा, गुजरात, हरियाणा समेत देश के कई राज्यों में अब तक इस फिल्म को टैक्स फ्री किया जा चुका है। हालांकि एक वर्ग इस फिल्म की आलोचना करते हुए इस एजेंडा मूवी भी बता रहा है।

महिलाओं को आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने किया गया प्रोत्साहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे के मार्गदर्शन में जिले के समस्त पॉचों विकासखण्डों के विभिन्न गौठानों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर 08 मार्च से 12 मार्च 2022 तक गौठान महिला सशक्तिकरण सप्ताह का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। आयोजन में संसदीय सचिव व गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह निषाद, संजारी-बालोद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक भैय्याराम सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधियों, स्वसहायता समूह के सदस्यों, ग्रामीण महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में पहुँची ग्रामीण महिलाओं को सुराजी ग्राम योजना के तहत निर्मित गौठानों में आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़ने व आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बनने प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुपोषण योजना, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनीक योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। गौठान महिला सशक्तिकरण सप्ताह का आयोजन जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम अरौद, जगतरा, कन्नेवाड़ा, कोहंगाटोला, खपरी, बेलमाण्ड, लिमोरा और बरही, गुरूर विकासखण्ड के ग्राम कोसागोंदी, अरमरीकला, डढारी और भोथली, डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम भर्रीटोला-36, सल्हाईटोला, भैंसबोड़, अवारी और ठेमाबुजुर्ग, डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम दूधली, सुरेगांव, नाहंदा, रेंगाडबरी, घीना, नंगूटोला, बोईरडीह और खपराभाठ, गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम भाठागांव आर., भरदाकला, डुंडेरा, सिकोसा, पैरी, कमरौद, बीरेतरा और कांदुल के गौठानों में किया गया।

गौठान महिला सशक्तिकरण सप्ताह कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व विभिन्न विभाग के अधिकारियों द्वारा गौठानों का अवलोकन किया गया तथा गौठान परिसर में विभिन्न प्रकार के आजीविकामूलक गतिविधियों के संचालन हेतु स्वसहायता समूह के सदस्यों को प्रेरित किया गया। गौठान परिसर में वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, मछलीपालन, मुर्गीपालन, बकरीपालन, सब्जी-बाड़ी, आचार निर्माण, फिनायल निर्माण, अगरबत्ती निर्माण, मशरूम उत्पादन, दोना-पत्तल निर्माण, हर्बल गुलाल निर्माण आदि आयमूलक गतिविधियों के संचालन की जानकारी दी गई। गौठान परिसर में कार्यक्रम के दौरान स्वसहायता समूहों द्वारा गौठान परिसर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उत्पादित सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा विक्रय भी किया गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 'कोसा' सिल्क की यात्रा पर प्रकाशित पुस्तक का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बघेल ने यहां विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में वरिष्ठ पत्रकार के. एन. किशोर एवं डॉ. राजेन्द्र मोहंती द्वारा कोसा सिल्क की पौराणिक काल से लेकर अब तक की यात्रा, कोसे की साड़ियों और पोशाक सामग्री पर सम्पादित पुस्तक 'दि इनक्रेडिबल जर्नी ऑफ कोसा' का विमोचन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री बाबूलाल शर्मा भी उपस्थित थे।

यह पुस्तक 'कोसा' रेशम के पीछे की पौराणिक कथाओं, इसकी ऐतिहासिक उत्पत्ति, भारत में रेशम के आगमन और विकास के बारे में बताने वाले साहित्यिक साक्ष्य और छत्तीसगढ़ में इसके आगमन के बारे में चर्चा करती है।

इसके अलावा यह रेशम के उत्पादन की पारंपरिक प्रक्रिया, धागा बनाने की प्रक्रिया के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के रेशमी कपड़ों जैसे साड़ी, ड्रेस सामग्री, फर्निशिंग आदि की प्रक्रिया पर भी चर्चा करता है।

साथ ही यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के बेशकीमती हाथकरघा कोसा उत्पाद पर एक संक्षिप्त जानकारी देगी और नई पीढ़ियों के लिए ज्ञान के भंडार के रूप में उपयोगी होगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पुस्तक के प्रकाशन पर इससे जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

श्री किशोर ने बताया कि यह पुस्तक रेशम की बुनाई के पारंपरिक रूपों के साथ-साथ कोसा की यात्रा, रूपांकनों, रंगों और बुनावट के दस्तावेजीकरण और कोसा के इतिहास को संरक्षित करने का एक प्रयास है।

अधिकारी-कर्मचारी अनिवार्य रूप से मुख्यालय में रहे उपस्थित - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से अपने मुख्यालयों में उपस्थित रहते हुए कार्य का संपादन करना है। सभी जिला स्तरीय अधिकारी सुनिश्चित करें कि उनके मैदानी अमले कार्य दिवसों पर नियत समय पर अपने कार्य स्थल पर उपस्थित रहे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उक्त बातें कलेक्टर भीम सिंह ने आज समय-सीमा की बैठक में कही। उन्होंने कार्य स्थल पर प्रशासनिक अमले की उपस्थिति के संबंध में बात करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित हो कि पटवारी नियत दिनों में अपने हल्के वाले गांवों में उपस्थित रहे, इसके साथ ही शिक्षक, पंचायत सचिव, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास व आदिवासी विकास के कर्मचारी भी अपने कार्य स्थलों पर नियमित रूप से मौजूद रहे। उन्होंने जिला अधिकारियों के साथ सभी एसडीएम को इसका औचक निरीक्षण करने व बिना सूचना के अनुपस्थित लोगों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सिंह ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कहा कि 31 मार्च के पहले सभी तहसीलों में दर्ज प्रकरणों का निराकरण अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए। उन्होंने अविवादित नामांतरण, सीमांकन सहित दूसरे राजस्व प्रकरणों पर तेजी से कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि सीएम जनचौपाल व कलेक्टर जनचौपाल में दर्ज प्रकरण पर अधिकतम दो माह के अंदर निराकृत कर लिए जाये तथा प्रकरण समय-सीमा के बाहर लंबित न हो। समाज कल्याण विभाग द्वारा वितरित पेंशन भुगतान के संबंध में जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि सभी हितग्राहियों को प्रतिमाह 7 तारीख तक पेंशन का भुगतान कर दिया जाए। इसके लिए सभी जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि पेंशन भुगतान से संबंधित जानकारी समय पर प्रेषित करें जिससे जिला स्तर पर भुगतान की कार्यवाही नियत तिथि तक सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर सिंह ने धान के उठाव व चावल जमा करने के संबंध में भी खाद्य विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। बताया गया कि अधिकांश समितियों से चावल का उठाव कर लिया गया है। कुछ समितियां जहां उठाव शेष है वहां भी जल्द उठाव का कार्य पूर्ण कराने हेतु कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर सिंह ने 20 मार्च तक उठाव पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने समितियों से बारदाने का उठाव भी जल्द पूरा करवाने की बात कही। कलेक्टर सिंह ने गौठानों में गोबर खरीदी, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण तथा उसके विक्रय व महिला समूहों के भुगतान के संबंध में विस्तार से समीक्षा की।

खास-खबर

जिगरी दोस्त की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक युवक ने अपने ही जिगरी दोस्त की हत्या कर दी। उसने अपने दोस्त को इसलिए मार दिया, क्योंकि दोस्त ने झगड़ा के बाद आरोपी को चाकू दिखाया था। आरोपी ने बताया कि मुझे डर था कि जब मैं सो जाऊंगा तब वह मुझे मार देगा, इसलिए मैंने सिलबट्टे के पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी है। पुलिस ने आरोपी को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। शहर के इरानी मोहल्ले में नानू सारथी(19) और संजू साहू(22) एक ही घर में रहते थे। दोनों दोस्त थे। लंबे समय से दोनों साथ में ही रह रहे थे। बताया जा रहा है कि ये घर संजू साहू का ही है। उसकी मां उसकी बहन के यहां दूसरे इलाके में रहती है। संजू शादी कार्यक्रम में बैलून लगाने का काम करता है। नानू कबाड़ बीनने का काम किया करता था। नानू के भाई उसे छोड़कर पहले से ही अलग रह रहे थे। बचपन में ही उसका मां की मौत हो गई थी। पिता घर छोड़कर जा चुका था।

जानकारी के मुताबिक, दोनों काफी अच्छे दोस्त थे। मगर सोमवार शाम को दोनों में घर के अंदर ही झगड़ा हो गया था। झगड़ा हुआ तो नानू ने संजू को चाकू दिखाया था। कहा था तेरे को मार डालूंगा। उसकी यही धमकी सुनकर संजू घर से भाग गया था। इसके बाद वह रात को करीब 11 बजे घर आया था। तब नानू सो रहा था। इसी दौरान उसने सिलबट्टे के पत्थर से सिर कुचलकर नानू की हत्या कर दी थी। नानू की मौके पर ही मौत हो गई थी। वारदात के बाद वह घर से भागकर मोहल्ले के मंदिर के पास जाकर सो रहा था। इस मामले की जानकारी तब सामने आ सकी है। जब पड़ोसी ने संजू का घर खुला हुआ देखा। उसके पड़ोसी ने देखा कि दरवाजा खुला है। बाहर से आवाज देने पर कोई सुन भी नहीं रहा था। इसके बाद पड़ोसी अंदर गया था। अंदर जाने पर उसने नानू की खून से लथपथ लाश देखी। ये देखने के बाद ही उसने तुरंत इस बात की जानकारी पुलिस को दी थी। खबर लगते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आस-पास के लोगों से पूछताछ की गई। पूछताछ में पता चला कि नानू के साथ उसका दोस्त संजू भी रहता था। मगर वो अभी घर पर नहीं है। इस पर पुलिस को शक हुआ, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश शुरू करने पर संजू मोहल्ले के मंदिर के पास पुलिस सो मिल गया।

गरियाबंद में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

ट्रक-ट्रैक्टर की टक्कर में 20 से ज्यादा घायल मृतकों के परिजनों को 2 लाख देगी सरकार

गरियाबंद (ए)। गरियाबंद में मंगलवार देर शाम हुए सड़क हादसे में एक युवती सहित 6 महिलाओं की मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें से 14 लोगों को रायपुर रेफर किया गया है। अन्य लोगों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। घायलों में ज्यादातर महिलाएं व बच्चे शामिल हैं। हादसा देवभोग क्षेत्र में ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर के चलते हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम मजरकट्टा के पूर्व सरपंच दुष्यंत ध्रुव के रिश्तेदार यहां ग्राम मोहलाई में मंगलवार को छठी कार्यक्रम था। इसमें शामिल होने के लिए परिवार के सदस्यों सहित अन्य लोग भी पहुंचे थे। वहां से करीब 40 लोग एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर देर शाम लौट रहे थे। अभी वे ग्राम कोड़ोहरदी के पास नेशनल हाईवे पर पहुंचे थे कि सामने से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली के परखच्चे उड़ गए।

टक्कर के बाद ट्रैक्टर में फंसा चालक

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे के दौरान ट्रैक्टर चालक अंदर ही बीच में फंस गया था। उसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि 4 ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। सभी घायलों को पुलिस ने 108 की मदद से जिला अस्पताल में भेजा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हादसे पर शोक जताया

गरियाबंद के मजरकट्टा में हुए सड़क हादसे में हुई मौतों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए गरियाबंद प्रशासन को बेहतर इलाज के इंतजाम के निर्देश दिए हैं। मंत्री भूपेश बघेल ने गरियाबंद हादसे में मृतकों के परिवार को 2 लाख रुपए और घायलों के उपचार के लिए 50,000 की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

जंगल में पेड़ पर लटकी मिली प्रेमी जोड़े की लाश

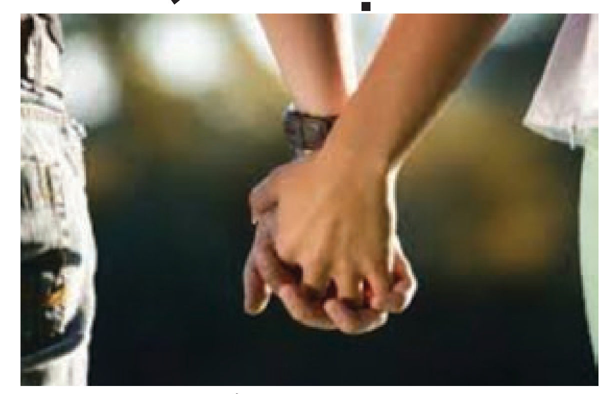

गरियाबंद (ए)। जिले के छुरा थाना अंतर्गत कचना धुरवा के घने जंगल में युवक-युवती का पेड़ पर लटका शव मिला है। सूचना पर आस-पास गांव के लोग शव पहचानने दौड़ पड़े। पर अब तक शवों को कोई नहीं पहचान पाया। जांगल में बीट जांच में निकले वन विभाग के कर्मचारियों को एक पेड़ पर कुछ लटकता दिखा। पास जाने पर फंदे पर लटकी दो लाश दिखी। सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रेमी जोड़े का शरीर सड़-गल रहा है।

पुलिस के अनुसार कचना धुरवा पहाड़ी के बीच घने जंगल में पेड़ पर प्रेमी जोड़ों को दुपट्टा के सहारे फांसी पर लटका हुआ देखा गया। बताया जा रहा है कि शव सड़ने लग गया है। शवों से भयानक बदबू भी आ रही है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि शव दो सप्ताह पुरानी हो सकती है। वनरक्षक प्रवीण दीवान व चौकीदार जंगल की सुरक्षा के लिए बीट भ्रमण पर निकले थे। अंधेरा होने की वजह से पेड़ पर कोई चढ़ा हुआ है ऐसा प्रतीत हो रहा था। पास जाने पर दो लोग लटके दिखे। प्रथम दृष्टया में आत्महत्या प्रतीत हो रहा है।

पुलिस ने बताया कि छुरा बीट के वनरक्षक प्रवीण दीवान व चौकीदार एक साथ हर दिन की तरह जंगल की सुरक्षा के लिए बीट भ्रमण पर निकले थे। उन्होंने भ्रमण के दौरान पहाड़ी के बीच घने जंगल मे पेड़ पर प्रेमी जोड़ी को दुपट्टा के सहारे फांसी पर लटका हुआ देखा। वनरक्षक ने घटना की जानकारी थाने को दी। शव 10 से 15 दिन पुराना बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर जांच में लगी हुई है। वहीं युवक के पेंट से आधार कार्ड मिला है, जिस पर कांता राम पिता बिरजु राम, ग्राम गुज़रा बिंद्रानवागढ़ का पता लिखा हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शाम हो जाने की वजह से टार्च की लाइट में कुछ देर जांच की गई।

तेज रफ्तार कार ने ली बाइक सवार की जान

दुर्ग। दुर्ग के बोरसी में कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं उसका साथी घायल हो गया। सूचना मिलने पर पद्मनाभपुर पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक लोगों ने डायल 112 को बुलाकर घायल को अस्पताल भेज दिया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

पद्मनाभपुर पुलिस के मुताबिक बोरसी में कदम प्लाजा के पास सड़क दुर्घटना हुई है। कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार में चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार बोरसी भाटा का निवासी देव ठाकुर व यीशु देशमुख (27) बुरी तरह से घायल हो गए। दुर्घटना में यीशु को काफी गहरी चोट आई। उसका अधिक खून भी बह गया था। दुर्घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने डायल 112 को कॉल कर बुलाया। इसके बाद यीशु को बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं देव ठाकुर (26) को भी काफी चोटें आई हैं।

पूजा करके लौट रहे थे कार सवार

दुर्घटना करने वाली कार उमरपोटी राजेंद्र विहार फेस नंबर 3 निवासी शशि प्रभा साहू की है। शशि व पूसाराम साहू चालक विवेक पोटिया को लेकर बोरसी पूजा करने आए थे। पूजा करने के बाद वो लोग अपने घर उमरपोटी वापस जा रहे थे। जैसे ही वह लोग बोरसी कदम प्लाजा के पास पहुंचे सामने से आ रही बाइक को देखकर उनका ड्राइवर अपना संतुलन खो बैठा। इससे उसने बाइक को सामने से टक्कर मार दी।

परिवार वाले कर रहे थे बातचीत, महिला ने दूसरे कमरे में लगा ली फांसी

बिलासपुर (ए)। सोमवार की रात महिला ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। आवाज सुनकर स्वजन कमरे के बाहर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। सिलिंडर से दरवाजा तोड़कर उसे फांसी के फंदे से उतारा गया। इस दौरान उसकी सांसे चल रही थी। अपोलो अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर सरकंडा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम कराया है। स्वजन और मायके वालों से पूछताछ में आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। सरकंडा के पाम इंक्लेव में रहने वाली सुनैना देवांगन(38) अपने पति के काम में हाथ बंटाती थीं। उनके पति राजेश देवांगन जमीन खरीदी-बिक्री का काम करते हैं। सोमवार को सुनैना के भाई शाश्वत पटेल अपनी मां के साथ उनके घर आए थे। रात को परिवार के सदस्य बैठकर आपस में बातचीत कर रहे थे। इस दौरान सुनैना अपनी 11 साल की बेटी के साथ कमरे में थीं। बच्ची के सोने पर वह दूसरे कमरे में चली गईं। इसी बीच उनके कमरे से आवाज आने पर स्वजन पहुंचे। दरवाजा अंदर से लाक था। इस पर राजेश और शाश्वत ने गैस सिलिंडर से दरवाजा तोड़ दिया। अंदर सुनैना फांसी के फंदे पर झूल रही थी। उन्होंने फंदा काटकर सुनैना को उतारा। इस दौरान उसकी सांसे चल रही थी। स्वजन उसे लेकर अपोलो अस्पताल गए। वहां डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पूछताछ में सुनैना के भाई शाश्वत ने बताया कि उनकी दीदी और जीजा ने अपनी बेटी का एडमिशन दिल्ली के एक स्कूल में कराया था। इसके बाद से सुनैना अपनी बेटी से दूर रहने की बात को लेकर परेशान थी।

खुर्सीपार में नशीली दवा बेचते रंगे हाथ पकड़ाया मेडिकल स्टोर संचालक, 30 लाख की मेडिसिन जब्त

भिलाई (ए)। खुर्सीपार पुलिस ने नशीली दवा का कारोबार कर रहे मेडिकल दुकान संचालक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास पुलिस ले लगभग 30 लाख रुपए की नशीली दवाएं जब्त की है। साथ की 24 हजार रुपए नगद भी जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने मेडिकल दुकान संचालक व एक महिला सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मामले का खुलासा करते एसपी बद्रीनारायण मीणा ने बताया कि मेडिकल दुकान संचालक नशीली दवाओं को बेचने की फिराक में था। इस दौरान पहले से मौजूद पुलिस ने सभी को दबाच लिया। मौके से श्याम मेडिकल स्टोर के संचालक अजय अग्रवाल, अटल आवास जवाहर नगर निवासी राकेश वर्मा, स्टेशन मरोदा निवासी जग्गू उर्फ जागेश्वर निषाद, कृष्णा नगर सुपेला निवासी शफक बानो को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों से पूछताछ के बाद रायपुर निवासी एक अन्य आरोपी नितिन सिम्मी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 67056 नशीली टेबलेट एवं कैप्सूल जब्त किया। जब्त नशीली दवाओं की कीमत 30 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं मेडिकल दुकान संचालक ने मौके से भी कुछ रकम ली थी। पुलिस ने 24 हजार रुपए भी जब्त किया है। सभी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

ऐसे पहुंची आरोपियों के पास पुलिस

पुलिस को न्यू खुर्सीपार स्थित श्याम मेडिकल स्टोर के संचालक अजय अग्रवाल द्वारा नशीली दवाओं को बेचने की जानकारी मिली थी। सोमवार को उसने कुछ लोगों को नशीली दवा देने के लिए बुलाया था। जानकारी के बाद पुलिस पहले से सिविल ड्रेस में वहां पहुंच गई। रात करीब 8:30 बजे दो लोग बाइक पर पहुंचे और एक महिला मुंह ढक कर पहुंची। कुछ देर बाद श्याम मेडिकल स्टोर का संचालक अजय अग्रवाल अपनी दुकान से बारी-बारी से कार्टून दुकान से बाहर निकाले और बाइक सवार दोनों युवकों तथा महिला को देने लगा। इसके बदले में पैसा भी लिया। इकसे बाद पुलिस टीम घेराबंदी कर अजय अग्रवाल, बाइक सवार राकेश वर्मा व जग्गु उर्फ जागेश्वर निषाद तथा महिला शफक बानो को गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद पूछताछ में आरोपी श्याम मेडिकल स्टोर के संचालक अजय अग्रवाल ने बताया कि कुछ माह पूर्व से रायपुर निवासी मेडिकल रिप्रेजेन्टेटीव नितिन सिम्मी के साथ जान-पहचान हुई थी। उसी ने इसका आइडिया दिया था। पुलिस ने रायपुर से नितिन सिम्मी को भी गिरफ्तार कर लिया। वहीं नशीली दवाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी हाथ लगी है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No.:-07749-222370, Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना द्वितीय बार

क्रमांक/18/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2021-22   बालोद, दिनांक 14.03.2022

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग मे डी वर्ग एवं उच्च वर्ग में पंजीकृत सक्षम श्रेमी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित निविदा (E-Tender) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01 नवंबर 2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित एवं प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 7.2.2015 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर ऑनलाईन निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 25.03.2022 को अपरान्ह 5.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त ऑनलाईन निविदा को दिनांक 30.03.2022 को खोली जावेगी।

कार्य का नाम :- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 20 बेड यूनिट निर्माण कार्य देवरीबंगला एवं गुण्डरदेही।
प्रत्यके कार्य हेतु निविदा की राशि रू. 31.48 लाख
प्रत्येक कार्य हेतु निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 1500/-,
अमानत राशि रू. 31500/-
कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं http://cg.nic.in/resworks/Tender_test_report.aspx या अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 15.03.2022 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

(जे.आर.रजक)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
बालोद जिला-बालोद
(छ.ग.)

जी-68734/7

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

लोगों/मोनों की डिजाइन भेजने के लिए तिथि बढ़ी अब 21 मार्च तक ले सकते हैं भाग

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के नए लोगो/मोनो के सृजन के लिए निगम ने डिजाइन तैयार कर मेल पर प्रेषित करने तथा विजेता को स्पॉन्सर के माध्यम से 51000 पुरस्कार राशि देने प्रतियोगिता का आयोजन किया है। महापौर नीरज पाल एवं गठित कमेटी के सदस्यों ने नए लोगो/मोनो के सृजन की महत्ता को देखते हुए इसके लिए नियम शर्तें तैयार करवाई है और नागरिक सहभागिता को उन्होंने महत्व दिया है। डिजाइन भेजने के लिए पहले फरवरी के अंतिम माह तक की तिथि तय की गई थी, फिर 10 मार्च और अब कॉम्पिटिशन को देखते हुए अंतिम तिथि 21 मार्च कर दी गई है। अंतिम तिथि 21 मार्च तक डिजाइन निगम के निर्धारित मेल आईडी पर भेज सकते हैं। 51 हजार पुरस्कार राशि जीतने का मौका मिल रहा है। वहीं निगम को एक नया लोगो/मोनो एक नए संदेश के साथ भिलाई को खुद का अपना लोगो/मोनो मिल जाएगा। अब तक 200 से अधिक डिजाइन मेल आईडी पर प्राप्त हो चुके हैं।

22-23 का बजट सर्व सम्मति से एमआईसी में स्वीकृत

दुर्ग। नगर निगम के सभाकक्ष डाटा सेंटर में एमआईसी की बैठक हुई, जिसमें वार्षिक 22-23 बजट पर चर्चा की गई। महापौर धीरज बाकलीवाल के अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त हरेश मंडावी व सभापति राजेश यादव की मौजूदगी में एमआईसी मेयर इन कॉउंसिल में जनहित के मुद्दों से जुड़ी ज्यादातर योजनाएं है । 29 मार्च को सामान्य सभा की बैठक में पुष्टि के लिए बजट पेश होगा। निगम क्षेत्र में विकास कार्यो के लिए विभिन्न योजनाओं पर राशि खर्च की जाएगी। मंगलवार को बैठक में पुरखा के सुरखा योजना में वृक्ष प्रत्येक घर मे लगाया जाना है। शासकीय जमीन का संरक्षण, दिव्यांगों की शादी के लिए भवन आरक्षण, महापौर गुमटी योजना,किरायेदार के लिए प्रथक आवास योजना,तालाबो का सौंदर्यकरण आदि योजनाओं को शामिल किया गया है। बैठक में मौजूद वित्त विभाग दीपक साहू, लोक कर्म विभाग अब्दुल गनी,राजस्व एवं बाजार विभाग ऋषभ जैन, जलकार्य विभाग संजय कोहले,सामान्य प्रशासन विभाग श्रीमती जय जोशी,विद्युत विभाग भोला महोविया,महिला बाल विकास विभाग सु जमुना साहू, पर्यावरण विभाग श्रीमती सत्यवती वर्मा,स्वास्थ्य विभाग हमीद खोखर,शिक्षा एवं खेलकुद विभाग मनदीप सिंह भाटिया,सांस्कृतिक विभाग अनूप चंदनिया,शंकर ठाकुर के अलावा कार्यपालन अभियंता मोहन पूरी गोस्वामी,नोडल अधिकारी प्रकाश चंद थावनी, लेखाधिकारी राज कमल बोरकर, सचिव शरद रत्नाकर, जावेद अली, स्टोनो मनोहर साहू, थानसिंह यादव, वीरेंद्र ठाकुर समेत अन्य उपस्थित थे।

गांव-गांव जल संरक्षण एवं जल संचय के स्त्रोंतो की गई सफाई

दुर्ग। महात्मा गांधी नरेगा के तहत अंतर्गत 7 से 13 मार्च तक आइकॉनिक वीक को नये भारत की नारी नाम दिया है। जिसमें विगत शानिवार को जिले के गांव-गांव में रख-रखाव करते जनभागीदारी से श्रमदान करते सफाई अभियान चलाया गया। स्वैच्छक से किये गए जलस्त्रोंतों की सफाई में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारियों के साथ महिलाओं श्रमिक, स्व-सहायता समूह की दीदीयां, एसबीएम की स्वेच्छाग्राहितयों एवं ग्रामीण शामिल हुए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्विनी देवांगन के मार्गदर्शन में सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को गांव-गांव में जनभागीदारी से अभियान चलाकर सफाई कराने कहा गया कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में गांव में योजनांतर्गत बने जल संरक्षण एवं जल संचय के स्त्रोतों की सफाई के लिए स्वैच्छिक आधार पर श्रमदान एवं सफाई अभियान चलाया गया।

महापौर नीरज पाल एवं स्वच्छता प्रभारी लक्ष्मीपति राजू के साथ हुई पहली बैठक

भिलाई निगम को 20 स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर मिले

फिल्म इंडस्ट्री से अनुराग बसु भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम क्षेत्र में आम जन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा स्वच्छता की अलख जगाने 20 स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडरों की नियुक्ति महापौर द्वारा की गई है। महापौर नीरज पाल ने 20 स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर के लिए अलग-अलग विधाओं में प्रतिभा रखने वाले समाजसेवी, पत्रकारिता, उद्योग, फिल्म जगत, चिकित्सा जगत, व्यवसाय जगत, खेल एवं शिक्षण तथा अन्य क्षेत्र के लोगों को शामिल किया है।

श्री पाल ने विधायक देवेंद्र यादव की अनुशंसा पर अलग-अलग विधाओं में पारंगत लोगों को स्वच्छता के इस कार्य में योगदान देने के लिए चयन किया है। इस अवसर महापौर श्री पाल ने कहा कि स्वच्छता की परिकल्पना को साकार करने निगम भिलाई प्रशासन अथक प्रयास कर रहा है और स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में 5 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए अग्रसर है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के सहयोग व सीधे संवाद से आम जन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता ज्यादा बेहतर होगी और स्वच्छ व सुंदर भिलाई की परिकल्पना को शीघ्र साकार कर पहले पायदान पर आ सकते हैं। इसके पूर्व सभी स्वच्छता एम्बेसडरों ने एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया। स्वच्छता प्रभारी लक्ष्मीपति राजू ने विभिन्न चरणों में होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण की जानकारी देते हुए भिलाई निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी से सभी को अवगत कराया।

आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता लाने के लिए सिटीजन फीडबैक, सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता, होम कंपोस्टिंग और ऐसे कार्य जो स्वच्छता ब्रांड एंबेसडरो द्वारा उचित माध्यम से लोगों तक अधिक से अधिक पहुंचाया जा सकता है के विषय में चर्चा की गई। नवनियुक्त स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडरों ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत लोगो को साफसफाई का महत्व बताते हुए शहर को स्वच्छ परिवेश बनाने में भूमिका निभांएगे अपने विभिन्न आयोजनों में स्वच्छता के कार्यों को सम्मिलित करते हुए स्वच्छता का प्रसार करेंगे। आमजन की स्वच्छता में सहभागिता, संबंधी पखवाड़ा के माध्यम से नागरिकों में जनजागृति हेतु हर संभव कार्य करने की बात कही।

उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे लगातार स्वच्छ सर्वेक्षण की गतिविधियों की मानिटरिंग कर रहे हैं। महापौर नीरज पाल ने आज फिल्म जगत से अनुराग बसु, उद्योग जगत से के.के. झा एवं नितिन गुप्ता, शिक्षा जगत से राजेंद्र कुमार अग्रवाल, संजय ओझा, संतोष राय, आरिफ खान एवं सचिन प्रताप सिंह, सामाजिक गतिविधियों से के. चंद्रशेखर, मुन्ना साहू, संत कुमार केसकर, नितिन फुले, धनराज पारेड, जय गोविंद यादव, चिकित्सा क्षेत्र से डॉक्टर चिरंजीवी, पत्रकारिता जगत से राजेंद्र सोनबोइर अन्य क्षेत्रों से संजय जैन, दिलीप देवांगन, राकेश मल्होत्रा एवं राम जसपाल को भिलाई निगम के लिए स्वच्छता एम्बेसडर नियुक्त किए है।

लोगों की समस्या का निराकरण समयबद्ध तरीके से हो - डॉ. किरणमयी नायक

पांच मिनट में निपटाया प्रकरण 75 हजार का चेक आवेदक को मिला हाथों-हाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य महिला आयोग लगातार अपनी सक्रियता से आमजन की समस्याओं का निराकरण कर रही है। आज राज्य महिला आयोग के समक्ष कुल 25 प्रकरण आए थे। जो कि मानसिक प्रताड़ना, दहेज प्रताड़ना, भरण पोषण और संपत्ति विवाद से संबंधित थे। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक तथा सदस्यगण डॉ. अनीता रावटे एवं श्रीमती अर्चना उपाध्याय ने तसल्ली पूर्वक लोगों की समस्याएं सुनी और वस्तु स्थिति अनुसार प्रकरण का निराकरण किया।

डॉ. किरणमयी नायक और सदस्यों ने आज मौके पर ही एक आवेदक के प्रकरण का निराकरण कर आवेदक और अनावेदक दोनों को संतुष्ट किया। जिसमें आवेदक, अनावेदकगण से दो साल के आरटीआई का राशि चाहती थी। 1.5 लाख रूपए की राशि 2 किस्तों में प्राप्त होनी थी। महिला आयोग ने प्रकरण के समीक्षा करते हुए मौके पर ही 75 हजार रूपए की राशि चेक के माध्यम से आवेदक को दिलाई। बकाया राशि के लिए भी अनावेदक से सहमति दिलवाई। जिसमें अनावेदक ने शासन से राशि मिलने पर तुरंत बकाया राशि देने की बात कही। चंद मिनटों के अंदर ही अध्यक्ष महोदय द्वारा लिया गया यह फैसला उनकी दक्षता को प्रदर्शित करता है। इस निर्णय की खासियत यही है कि इसमें दोनों पक्ष संतुष्ट और सहमत थे।

आयोग के समक्ष एक आवेदक ने अपनी सौतेली सास, सौतेले देवर और ससुर के विरूद्ध गाली गलौच और मारपीट का प्रकरण प्रस्तुत किया। इस प्रकरण में आवेदक ने बताया कि उसके साथ हुई मारपीट के घटना प्रक्रम को एफआईआर में सही तरीके से प्रदर्शित नहीं किया गया है क्योंकि उभयपक्ष का मामला थाने में चला गया है। इसलिए आयोग ने इसे अपने क्षेत्राधिकार का नहीं पाया परंतु आवेदिका की सहायता के लिए एफआईआर सही तरीके से दर्ज हो इसके लिए आवेदक को आयोग के सदस्य से गाइडेंस दिलाया। एक अन्य प्रकरण में अनावेदक ने बताया है कि 25 जनवरी 2022 से काम नही कर रहा है। उनके विरोध झूठी शिकायत हुई है आयोग द्वारा समझाईश दिये जाने पर अनावेदक पक्ष ने अपना गलती नही होते हुए भी माफी मांगा गया है। इस प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य प्रकरण में शादी के बाद 2.5 साल अलग-अलग रहे हे। आवेदिका 8 साल से अपने मायके में रह रही है। दोनो का साथ रहने की सभावना नहीं है। पति पत्नी आपसी राजीनामे से तलाक लेंगे, और अनावेदक एक साथ 5 लाख रूपये देने सहमत हुआ जिसे 3 किश्तो में देने के लिए सहमत है। आवेदिका द्वारा बताया गया है कि वह अपने परिवार वालो से चर्चा करने के बाद समझौता किया जाना है इस प्रकरण को आगामी सुनवाई में रखा गया है। एक अन्य प्रकरण में आवेदिका राजीनामा की शर्ते लेकर आई, 1 अनावेदक सुभाष नगर के मकान को बच्चों के नाम पर नामांतरण कराएगा।

दुकानों का किराया नहीं पटाने पर 28 आबंटितियो का आबंटन हुआ निरस्त, दुकान वापस पाने मिल रहा अंतिम अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के अंतर्गत दीनदयाल पुरम खुर्सीपार में आबंटित 28 दुकानों का किराया एवं समेकित कर की राशि जमा नहीं करने के कारण परियोजना अधिकारी जिला चयन समिति के द्वारा 1 फरवरी 2021 को दुकानों की आबंटन निरस्त कर दी गई है।

निरस्त किए गए दुकानों के आबंटन के हितग्राहियों को एक मौका और देते हुए परियोजना अधिकारी जिला चयन समिति द्वारा आबंटिती को एक बार फिर से मौका शेष बकाया राशि जमा करने का दिया जा रहा है। जिसके आधार पर आबंटित दुकान का किराया एवं समेकित कर की राशि जमा करने हेतु 28 हितग्राहियों को एक अंतिम अवसर प्रदान करते हुए सूचना पत्र जारी कर समस्त 28 हितग्राहियों को व्यक्तिगत नोटिस तामिल किया गया है।

जिसमें पत्र प्राप्ति के 7 दिवस के भीतर नगर निगम के मुख्य कार्यालय के कक्ष क्रमांक 16 आवास गुमटी शाखा में स्वयं उपस्थित होकर शेष राशि जमा करने हेतु निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निर्देशित किया है। शेष राशि जमा नहीं करने पर दुकान निरस्तीकरण की कार्यवाही को यथावत रखते हुए नियमानुसार पात्र हितग्राही जिनके द्वारा आबंटन हेतु आवेदन पत्र दिया गया है को आबंटन की अग्रिम कार्यवाही किया जाएगा। निर्धारित तिथि के पश्चात दावा आपत्ती प्रस्तुत करने पर मान्य भी नहीं होगा। निरस्त किए गए हितग्राहियों की सूची में अर्चना, ओमती, नूरजहां, दिनेश कुमार, सत्येंद्र कुमार, राजवती कुमारी, अनिल कुमार साहू, विवेक दास, शिव कुमार वर्मा, घनश्याम, चैन सिंह, विवेक सोनवानी, मनोज प्रताप सिंह, शाबिर खत्री, रवि कुमार सिंह, रमेश कनौजिया, मिथिलेश यादव,श्याम सुंदर राव एवं मुकेश शामिल है। इन्हें दुकान का किराया एवं समेकित कर की राशि जमा करने अंतिम अवसर दिया जा रहा है।

सुचारू रूप से हो पेंशन हितग्राहियों डीबीटी भुगतान : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्ट्रेट सभा गृह में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे द्वारा टीएल मीटिंग रखी गई थी। बैठक में कलेक्टर ने कुछ हितग्राहियों को पेंशन समय पर न मिलने को लेकर विशेष चर्चा की।इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को डीबीटी भुगतान (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कहा। उन्होंने नॉन डीबीटी एकाउंट को चेककर उनका तुरंत निराकरण करने के लिए कहा है। इसके अलावा उन्होंने जिले में चल रही गतिविधियों की वास्तविक प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप शासन की शीर्ष योजनाओं को प्राथमिकता देने के लिए कहा। एनजीजीबी योजनांतर्गत जिले में संचालित सभी गौठानों में नियमित रूप से गोबर की खरीदी और वर्मी कंपोस्ट खाद का निर्माण हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।गौठानों में ज्यादा से ज्यादा नवाचारों को स्थान देने की बात कही ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढ़िकरण हो।इसके अलावा कलेक्टर ने सभी विभागों को डीएमएफ की राशि के लिए ऐसे प्रस्ताव बनाकर भेजने के लिए कहा जो जनहित में हो और नागरिकताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाये गये है।इसके लिए कलेक्टर ने स्ट्रीट लाइट का अपना सुझाव भी दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से कोविड वैक्सीनेशन की प्रगति पर समीक्षा ली। 12 से 14 वर्ष के बच्चों को लगने वाले वैक्सीन के लिए सुनिश्चित तैयारी करने के निर्देश भी दिये।

इसके अलावा कलेक्टर ने जनदर्शन में लगये गये याचिकाओं के लंबित प्रकरणों में संबंधित विभागों से जानकारी ली। प्रशासन पर आमजन का भरोसा बढ़े इसके लिए आवश्यक है कि अधिकारी जनयाचिकाओं को गंभीरता से ले और उनका शीघ्र से शीघ्र से निपटारा करें इसके लिए उन्हें निर्देशित किया।

कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी विभाग से सड़को की स्थिति का जायजा लिया और उन्होंने जहां जहां नई सड़के की आवश्यकता हो उसे चिन्हित करने के लिए कहा। इसके अलावा बैठक में आंगनबाड़ी, राशन कार्ड, पेयजल, कृषि, स्लम पटटों, नजूल पटटों आदि पर भी समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, एडीशनल कलेक्टर श्रीमती पदमिनी भोई

डुंडेरा के गोठान में फैलेगी हरियाली, किसानों से गोबर खरीदने का काम शुरू, महापौर ने किया शुभारंभ

40 महिलाओं को स्वालंबी बनाने की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नेवई व रूआबांधा के बाद रिसाली निगम प्रशासन ने दूरस्थ वार्ड डुंडेरा में किसानों से गोबर खरीदना शुरू कर दिया है। मंगलवार को महापौर शशि सिन्हा गोठान पहुंची और गोबर खरीदी का शुभारंभ किया। महापौर ने विधिवत गोठान संचालन के लिए महिला समूहों को अधिकृत किया।

इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि वर्तमान में महिलाएं यह न सोचे कि शहरी गोठान केवल गोधन संरक्षण के लिए है।

शासन ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक प्लेटफार्म तैयार किया है। गोबर से खाद, छेना, गो काष्ठ तैयार कर मुनाफा कर सकती है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे पहले पशुपालक किसान का पंजीयन करे। इसके बाद वे पशुपालक किसान से नियमित गोबर खरीदी करे। और जीवकोपार्जन के लिए गोबर से सामान तैयार करे। इस अवसर पर एमआईसी सद्स्य सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, पार्षद रोहित धनकर, डॉ सीमा साहू, पूर्व एल्डरमेन तरूण बंजारे आदि उपस्थित थे।

महिलाएं करेंगी मछली पालन

निगम प्रशासन ने महिलाओं को स्व रोजगार उपलब्ध कराने गोठान को तीन हिस्सों में बाटा है। एक हिस्से में गोधन मालिकों से गोबर खरीदकर खाद बनाने का काम किया जाएगा। वही दूसरे हिस्से में सब्जी की खेती करने जगह आरक्षित किया गया है। इसके अलावा परिसर में एक डबरी का निर्माण भी किया गया है, जिसमें महिलाएं मछली पालन करेंगी।

40 महिला सद्स्य जुड़ी

निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने बताया कि आजीविका मिशन के माध्यम से पहले महिला समूह का गठन किया गया। इसके बाद गोमती स्वसहायता समूह को गोबर खरीदने व गोबर से खाद बनाने अधिकृत किया गया है।

इसी तरह परिसर में खेती करने मां लक्ष्मी स्वसहायता समूह को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा हिना स्वसहायता समूह मछली पालन करेंगी। उन्होंने बताया कि गोठान में महिलाओं को स्वालंबी बनाने कुल 40 महिला सद्स्यों को जोड़ा गया है।

शाही दशहरा महिला उत्सव समिति के नारी शक्ति सम्मान समारोह के अवसर पर राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके ने कहा

सबसे बड़ा सुकून सेवा करने से मिलता है

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जीवन में सबसे बड़ा सुकून सेवा में है। आप जब लोगों की सेवा करते हैं स्वयं अपने भीतर आनंद का अनुभव करते हैं। यह एक तरह से स्वयं को भी बेहतर रखने का माध्यम है। यह बात राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके ने शाही दशहरा महिला उत्सव समिति द्वारा आयोजित नारी तू नारायणी नारी शक्ति सम्मान के अवसर पर कही।

इस मौके पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि जीवन में सम्मान बहुत जरूरी है। हमारा सम्मान हमारे अच्छे कार्यों से सुनिश्चित होता है। कुछ लोग कहते हैं कि केवल एक दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन से क्या होगा। मैं यह कहती हूं कि इस एक दिन जो हम महिलाओं को अच्छे कार्य के लिए सम्मानित करते हैं। एक दिन जो उन्हें सम्मान मिलता है उससे उनका हौसला बहुत बढ़ जाता है। कार्य करने की उर्जा बढ़ जाती है और वह जीवन में हर संभव मुकाम हासिल करने की दिशा में बढ़ जाती है। राज्यपाल ने कहा कि सेवा का कार्य मुझे बहुत प्रिय है और लोगों से मिलकर उनके सुख-दुख बांटने में मुझे बहुत खुशी का अनुभव होता है। मुझे तब बहुत अच्छा लगता है जब राजभवन में बहुत दूर से लोग मुझसे मिलने आते हैं। वे दंतेवाड़ा से आते हैं बस्तर से आते हैं सरगुजा से आते हैं और मैं उनके सुख दुख में अपने को बराबर का साझीदार पाती हूं। यह मेरे लिए राजभवन नहीं है यह मेरे लिए जन-जन भवन है। सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ने वाली महिलाओं को अपने जैसी दूसरी महिलाओं को भी आगे बढ़ाने की हमेशा कोशिश करनी चाहिए। महिलाएं पूरी तरह से सशक्त है एक बात उन्हें जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि उन्हें अपने अधिकारों के बारे में पूरा ज्ञान हो। महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार ने अनेक कानून बनाए हैं उन कानूनों की भलीभांति जानकारी हो तो महिला और भी सशक्त होंगी। सुश्री उइके ने कहा कि हमारा इतिहास और हमारा वर्तमान गवाह रहा है कि महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी रही हैं। शाही दशहरा उत्सव समिति के कार्यों की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आप लोगों ने कोरोना काल में लोगों की मदद के लिए जो कार्य किया है वह प्रशंसनीय है। सेवा का कार्य हमेशा संतुष्टि देता है इस मौके पर समिति के पदाधिकारी श्री राकेश पांडे ने कहा कि महिलाएं पुरुषों से अधिक सशक्त है।

वे हर संभव लक्ष्य प्राप्त कर सकती हैं। इस मौके पर राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू ,पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, सांवलाराम डहरे, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

मतवारी की दीदियों को हर्बल गुलाल का पीएनबी से मिला बड़ा आर्डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मतवारी की स्वसहायता समूह की सदस्यगण न केवल हर्बल गुलाल जैसा नवाचार अपना रही हैं अपितु इसको प्रमोट करना भी खूब जानती हैं। इन्होंने सोशल मीडिया को अपने हर्बल गुलाल के प्रचार के लिए उपयोग किया। फेसबुक तथा व्हाटसएप में अपने गुलाल के पोस्ट डाले। स्टेटस में इसे रखा।

उन लोगों से जाकर मिली जहाँ इनके उत्पाद की खपत संभव थी फिर राह खुलती गई। अभी 40 किलो हर्बल गुलाल बेच चुकी हैं और 50 किलो का आर्डर जारी कर रही हैं। गायत्री स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती जागृति साहू ने बताया कि उन्होंने ऐसे उपभोक्ताओं को एप्रोच किया जो बड़ी मात्रा में सामग्री क्रय कर सकते थे। उदाहरण के लिए वे मास्टर ट्रेनर भी हैं और इस नाते पंजाब नेशनल बैंक के प्रशिक्षण सत्र के लिए भी मास्टर ट्रेनर के रूप में काम करती हैं। एक बार यहां डीजीएम ने उनका स्टाल देखा और पसंद आया। इस बार उन्होंने बैंक के आयोजन के लिए हर्बल गुलाल का आर्डर दिया।

श्रीमती साहू ने बताया कि गाँव के आस-पास पलाश के फूल खूब खिलते हैं। गाँवों में तो परंपरागत रूप से पलाश के फूलों से ही होली मनाई जाती थी लेकिन समय बदला और आर्गेनिक कलर बाजार में आ गये। अब लोग अपनी त्वचा के प्रति अधिक जागरूक हो गये हैं तो परंपरा की वापसी हो गई है। उन्होंने बताया कि दस दिन पहले उन्होंने काम शुरू किया। पलाश के फूलों के अलावा पालक भाजी, लाल भाजी, चुकंदर आदि का उपयोग भी किया। वे प्रति किलोग्राम गुलाल 300 रुपए में बेच रही है। रा मटेरियल का खर्च लगभग 100 रुपए है और दो सौ रुपए विशुद्ध आय है। उन्होंने बताया कि दीपावली में उन्होंने फ्लोटिंग दीया आदि के प्रयोग किये थे। इसको बड़ी सराहना मिली थी और काफी संख्या में ऐसे दीये बिके थे। जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने बताया कि हमारी कोशिश है कि नवाचार को बढ़ावा मिल सके।

लोकल मार्केट में अपार संभावना है और इसे प्राप्त करने की दिशा में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को प्रेरित किया जा रहा है। मतवारी में महिलाएं बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950